राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,08 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–311 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीबीआई कविता से 11 दिसंबर को करेगी पूछताछ

हैदराबाद। दिल्ली शराब घोटाले के सिलसिले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की पुत्री एवं तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की विधान परिषद (एमएलसी) के. कविता से हैदराबाद स्थित उनके आवास पर 11 दिसंबर को पूछताछ करेगी।

सीबीआई की ओर से पहले दिए गए नोटिस का जवाब देते हुए श्रीमती कविता ने सीबीआई के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) दिल्ली शाखा के प्रमुख राघवेंद्र वत्स को पत्र लिखा था और कहा था, %जैसा कि आपके द्वारा प्रस्तावित किया गया है, मैं अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण छह दिसंबर को मिलने की स्थिति में नहीं हूं। मैं 11, 12, 14 या 15 दिसंबर, जो भी आपको सुविधाजनक लगे, हैदराबाद में अपने आवास पर आपसे मिल सकूंगी। कृपया जल्द से जल्द पुष्टि की जाए।

श्रीमती कविता के अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, केंद्रीय एजेंसी ने ईमेल के जरिए उन्हें सूचित किया कि अधिकारियों की एक टीम 11 दिसंबर को उनके आवास पर उनसे पूछताछ करेगी और उनका बयान दर्ज करेगी। तदनुसार एक नया नोटिस भी जारी करेगी।

पीएम मोदी के ही दांव से आप ने दे दी बीजेपी को मात, 15 साल पुरानी सत्ता से किया बेदखल

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनावों के ताजा नतीजों और रुझानों से स्पष्ट हो गया है कि दिल्ली में अब डबल इंजन की सरकार होगी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सत्ता पर पिछले आठ साल से काबिज आम आदमी पार्टी (क्क) ने स्ब्ष्ठ चुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सुबह 11.45 बजे तक के रुझानों और नतीजों के आंकड़ों के हिसाब से आप ने 250 सीटों वाली नगर निमम में 135 सीटों पर बढ़त बना ली है, जबकि बीजेपी 102 सीटों पर सिमट गई है। कांग्रेस को भी इन चुनावों में बड़ा झटका मिलता दिख रहा है। पार्टी 10 सीटों पर सिमट गई है।

पांच साल पहले यानी 2017 में तीनों नगर निगमों के कुल 272 सीटों पर हुए चुनाव में बीजेपी ने 181 सीटें जीती थीं, जबकि आप ने 49 सीटें और कांग्रेस ने 31 सीटें जीती थीं। इस साल परिसीमन और तीनों नगर निगमों के एकीकरण के बाद दिल्ली नगर निगम की कुल 250 सीटों पर चुनाव हुए हैं। 126 सीट बहुमत के लिए जरूरी है।

अब हार-जीत के कारणों की व्याख्या शुरू हो गई है। आप के बेहतरीन प्रदर्शन और उसके चुनावी रणनीति से ये बात साफ हो चली है कि

आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ही दांव से 15 साल से दिल्ली नगर निगम पर काबिज बीजेपी को सत्ता से बेदखल कर दिया है। दरअसल, यह डबल इंजन का दांव है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने अलग-अलग राज्यों की विधानसभा चुनावों में चला था और कमोबेश जीत हासिल की थी।

दिल्ली में जीत, गुजरात में हार का अनुमान; एग्जिट पोल पर क्या बोले केजरीवाल

पीएम मोदी अक्सर अपनी चुनावी सभाओं में कहा करते थे कि डबल इंजन की सरकार से विकास को और तेज गति दी जा सकती है। आम आदमी पार्टी ने भी दिल्ली नगर निगम से जुड़ी समस्याओं खासकर साफ-सफाई और कूड़े की समस्या के समाधान के लिए इसी चुनावी दांव का कार्ड खेला। आप ने बीजेपी द्वारा शासित एमसीडी की खामियां उजागर कीं और लोगों को यह भरोसा दिलाने में कारगर रही कि दिल्ली में डबल इंजन की सरकार आई तो राष्ट्रीय राजधानी समस्या मुक्त हो सकती है।

दिल्ली नगर निगम में पिछले 15 साल से BJP का शासन है, बावजूद इसके शहर में सड़क, नाली, कूड़े के ढेर और साफ-सफाई की समस्या बनी हुई है। आम आदमी पार्टी ने इसे ही अपना बड़ा मुद्दा बनाया। आप ने पूरे चुनावी अभियान को कूड़े के ढेर में तब्दील दिल्ली को साफ-सुथरा बनाने पर ही फोकस रखा। आप ने कूड़े का मैनेजमेंट और MCD दफ्तर में तरह-तरह के लाइसेंस बनवाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की समस्या को भी मुद्दा बनाया, जो उसकी जीत के लिए कारगर साबित हुई।

यहां ये बात भी गौर करने वाली है कि पीएम मोदी अक्सर अपनी चुनावी सभाओं में माफियाराज खत्म करने की बातें करते रहे हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार, परिवारवाद, साफ-सफाई जैसे मुद्दे पीएम मोदी के चुनावी दांवों में शामिल रहे हैं, जिसे आप ने उन्हीं की पार्टी के खिलाफ इस्तेमाल कर दिल्ली में बड़ी सियासी जीत हासिल की है।

पांच साल पहले यानी 2017 में तीनों नगर निगमों के कुल 272 सीटों पर हुए चुनाव में बीजेपी ने 181 सीटें जीती थीं, जबकि आप ने 49 सीटें और कांग्रेस ने 31 सीटें जीती थीं। इस साल परिसीमन और तीनों नगर निगमों के एकीकरण के बाद दिल्ली नगर निगम की कुल 250 सीटों पर चुनाव हुए हैं। 126 सीट बहुमत के लिए जरूरी है। अब हार-जीत के कारणों की व्याख्या शुरू हो गई है। आप के बेहतरीन प्रदर्शन और उसके चुनावी रणनीति से ये बात साफ हो चली है कि आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ही दांव से 15 साल से दिल्ली नगर निगम पर काबिज बीजेपी को सत्ता से बेदखल कर दिया

सभी सदस्यों को पर्याप्त अवसर देंगे : बिरला

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद के शीतकालीन सत्र के प्रारंभ के पहले आज आश्वासन दिया कि वह जनहित के मुद्दों पर सदस्यों को अपने विचार रखने का पर्याप्त अवसर देंगे। श्री बिरला ने अपने ट्वीट में कहा, लोकसभा का शीत कालीन सत्र आज से प्रारंभ होगा। आशा है सदन के व्यवस्थित संचालन में सभी दलों का सहयोग मिलेगा। आशा है कि सभी सदस्य सामूहिक चिंतन-मनन के माध्यम से जनता की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करेंगे। मेरी भी कोशिश रहेगी कि सदस्यों को अपना मत प्रस्तुत करने के पर्याप्त अवसर मिलें। संसद का

● बिरला ने अपने ट्वीट में कहा, लोकसभा का शीत कालीन सत्र आज से प्रारंभ होगा। आशा है सदन के व्यवस्थित संचालन में सभी दलों का सहयोग मिलेगा। आशा है कि सभी सदस्य सामूहिक चिंतन-मनन के माध्यम से जनता की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करेंगे।

शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से 29 दिसंबर तक 23 दिन चलेगा जिसमें कुल 17 बैठकें होंगी। लोकसभा में सदन के उपनेता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में कल संसद के पुस्तकालय भवन में हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं ने सरकार को महंगाई, सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग, भारत-चीन सीमा सहित विभिन्न मुद्दे पर सरकार को घेरने के संकेत दिये। सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने आश्वासन दिया कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है तथा संसदीय मर्यादा, नियम एवं अनुशासन के साथ चर्चा होनी चाहिए।

महाराष्ट्र रोडवेज ने कर्नाटक जाने वाली बसें बंद कीं, सीमा विवाद को लेकर पुलिस अलर्ट जारी

मुंबई। कर्नाटक व महाराष्ट्र के बीच सीमा विवाद गहरा रहा है। इसे लेकर पुलिस ने अलर्ट जारी किया है। इसे देखते हुए महाराष्ट्र सड़क परिवहन निगम ने कर्नाटक के लिए बसों का संचालन रोक दिया है।

कर्नाटक में बसों पर हमले के खतरे की आशंका के कारण बुधवार को पुलिस ने अलर्ट जारी किया। इसके बाद एमएसआरटीसी ने कर्नाटक जाने वाली अपनी बसों का संचालन स्थगित करने का फैसला किया। सीमा विवाद को लेकर बुधवार को कर्नाटक के बेलगावी में उग्र प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान महाराष्ट्र की बसों व ट्रकों पर पथराव की घटना सामने आई थी। महाराष्ट्र पुलिस द्वारा जारी अलर्ट में कहा गया है कि दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद को लेकर जारी आंदोलन के दौरान बसों पर हमले किए जा सकते हैं। एमएसआरटीसी ने कहा कि इस अलर्ट के आधार पर आगामी आदेश पर कर्नाटक जाने वाली रोडवेज बसों का संचालन रोका गया

ह। पुलिस द्वारा बसों और यात्रियों की सुरक्षा की मंजूरी मिलने के बाद सेवाएं बहाल की जाएंगी।

गृह मंत्री शाह से बात करेंगे फडणवीस, पवार साहब को कर्नाटक जाने की जरूरत नहीं-इससे पहले बेलगावी में ट्रकों व बसों पर पथराव के बाद महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि वे सीमा विवाद मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात करेंगे। फडणवीस ने यह भी कहा था कि उनकी कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई से बात हुई है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि शरद पवार साहेब को कर्नाटक जाने की जरूरत न पड़े। उन्होंने दोनों राज्यों की जनता से भी अपील की कि वह शांति कायम रखे और कानून व्यवस्था अपने हाथ में न ले। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र कानून व्यवस्था के लिए पहचाना जाता है। मैं राज्य के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे सीमावर्ती इलाकों में शांति कायम रखें।

बोम्मई व शिंदे ने की बात

इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने भी मंगलवार को फोन पर इस मुद्दे पर चर्चा की। दोनों सीएम ने इस बात पर सहमति जताई कि शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए।

09 दिसंबर को जंतर-मंतर पर जुटेंगे किसान : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि केन्द्र सरकार किसानों के मुद्दों को लेकर गंभीर नहीं है। सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाया है। जिसके कारण देशभर के किसान आक्रोशित हैं और 09 दिसंबर को अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के नेतृत्व में किसान जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।

अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैरा ने बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए

कहा कि 09 दिसंबर को किसान जंतर-मंतर पर एकत्र होकर केन्द्र सरकार के किसान विरोधी नीतियों का विरोध करेंगे। खैरा ने कहा कि उन्होंने इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को भी आमंत्रित किया है।

खैरा ने कहा कि वर्तमान में किसान, मजदूर,नवजवान सभी परेशान हैं। बीते आठ वर्षों में किसान के हित में केन्द्र सरकार ने कोई काम नहीं किए हैं। बीते वर्ष हुए किसान आंदोलन को भी केन्द्र सरकार ने हरसंभव कुचलने की कोशिश की। किसान आंदोलन के दौरान केन्द्र सरकार ने जितने वादे किए थे सभी को भूल चुकी है। खैरा ने कहा कि एमएसपी को लेकर बनी कमेटी में सरकार ने अपने लोगों को भरा है। इसमें किसानों का प्रतिनिधित्व नहीं है।

राहुल की राजस्थान में यात्रा तीसरे दिन कोटा जिले के दरा से हुई रवाना

कोटा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में आज तीसरे दिन कोटा जिले में दरा क्षेत्र से सुबह करीब छह बजे शुरू हुई ।

भारत जोड़ो यात्रा दरा क्षेत्र में हिरियाखेड़ी में रात्रि विश्राम के बाद दरा रेलवे स्टेशन के बाहर से फिर शुरू हुई। यात्रा में श्री राहुल गांधी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित अन्य कई नेता भी चल रहे हैं जबकि कांग्रेस पार्टी नेतृत्व की ओर से कल ही राजस्थान के प्रभारी नियुक्त किए

गए कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य और पंजाब में पूर्व चन्नी सरकार में उप मुख्यमंत्री रहे सुखविंदर सिंह रंधावा भी आज रास्ते में श्री राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे।

यात्रा के दरा से रवाना होने के बाद मंडाना की ओर बढ़ते समय झालावाड़ से मरीज को लेकर कोटा की ओर जा रही एक एंबुलेंस को भारत जोड़ो यात्रा में शामिल यात्रियों ने तत्काल निकालने के लिए रास्ता दिया। रास्ते में जगह-जगह श्री राहुल गांधी की भारत यात्रा का जोरदार तरीके से स्वागत का सिलसिला अभी भी जारी है और श्री राहुल गांधी लगातार लोगों का हाथ जोड़कर, हाथ हिलाकर अभिवादन करते हुए चल रहे हैं। उनकी भारत यात्रा में जैसलमेर के मांगणियार लोक कलाकार शामिल हुए जिन्होंने काफिले में चलते-चलते ही अपने वाद्य यंत्रों और गायन से अपनी लोक कला को प्रदर्शित किया। उनके साथ यात्रा में शामिल हुए इस दल में शामिल एक बाल कलाकार को देखकर श्री राहुल गांधी ने अपने पास बुलाया और उसके सिर पर हाथ रखकर न केवल दुलारा बल्कि कुछ दूरी तक उसके कंधे पर हाथ रख कर उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते देखे गए।

दोपहर में भोजन के बाद कुछ देर रुक कर यात्रा कोटा की ओर प्रस्थान करेगी। जगपुरा में अपने रात्रि पड़ाव स्थल पर पहुंचने से पहले वे दो स्थान पर नुक्कड़ सभाओं को भी संबोधित करेंगे।

केंद्र के फैसले में दखल न दे सुप्रीम कोर्ट, नोटबंदी केस में एससी जजों से गरमागरम बहस

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार (06 दिसंबर) को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि 2016 में केंद्र सरकार का नोटबंदी का फैसला एक ÷विचारहीन÷ प्रक्रिया नहीं थी। रिजर्व बैंक ने केंद्र के फैसले का समर्थन करते हुए कोर्ट में उन 58 याचिकाओं का विरोध किया, जिसमें नोटबंदी के फैसले का विरोध किया गया था और कहा गया था कि यह रातों-रात लिया गया फैसला था। रिजर्व बैंक ने इसके साथ ही कहा कि अदालत को इसकी जांच करने से बचना चाहिए क्योंकि यह एक आर्थिक नीति से जुड़ा हुआ फैसला है।

जस्टिस एस अब्दुल नज़ीर, जस्टिस बी आर गवई, जस्टिस ए एस बोपन्ना, जस्टिस वी रामासुब्रमण्यम और जस्टिस बी वी नागरत्ना की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष रिजर्व बैंक की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने कहा कि यह राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया का एक अभिन्न हिस्सा था और इस पर कुछ को छोड़कर सभी एकमत थे।

अधिवक्ता गुप्ता ने कहा कि कोर्ट को सरकार द्वारा अपनाई गई आर्थिक नीति में दखल देने से बचना चाहिए और 2016 में 500 रुपये और 1,000 रुपये के करेंसी नोटों के नोटबंदी के फैसले की वैधता की अदालत द्वारा जांच नहीं की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत के विभिन्न फैसलों का जिक्र करते हुए गुप्ता ने कहा कि अदालतों को नीतिगत मामलों में तब तक दखल नहीं देना चाहिए, जब तक कि नीति भेदभावपूर्ण और मनमानी न हो।

इस पर बेंच ने कहा कि अदालत नोटबंदी के फैसले

के गुण-दोष पर विचार नहीं करेगी, बल्कि वह निर्णय लेने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया की जांच करेगी। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, ÷हम निर्णय की वैधता में नहीं बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया की बात कर रहे हैं।÷ इस पर गुप्ता ने कहा कि नोटबंदी के फैसले को सुचारू रूप से लागू करने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे।

हालांकि, गुप्ता ने स्वीकार किया कि नोटबंदी के कारण कई नागरिकों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, अस्थायी कठिनाइयाँ भी राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग हैं। कुछ कठिनाइयों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है लेकिन हमारे पास एक ऐसा तंत्र था, जिससे उत्पन्न हुई समस्याओं का समाधान किया जा सकता था।

उधर, याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री और वरिष्ठ अधिवक्ता पी चिदंबरम ने केंद्र और आरबीआई की दलीलों का खंडन करते हुए कहा कि कोर्ट को आर्थिक नीति और मौद्रिक नीति जैसे भारी भरकम शब्दों से नहीं डरना चाहिए। उन्होंने कहा कि नोटबंदी मौद्रिक नीति का हिस्सा नहीं है। उन्होंने अदालत से निर्णय लेने की प्रक्रिया की वैधता तय करने और मनमाना पाए जाने पर इसे रद्द करने की गुहार लगाई ताकि भविष्य में कानून का उल्लंघन करते हुए इस तरह की कवायद न की जाए।

चिदंबरम ने कहा, भले ही अदालत अब नोटबंदी को खत्म नहीं कर सकती है, क्योंकि कोर्ट ने छह साल बाद इस मामले की सुनवाई शुरू की है, लेकिन अदालत निर्णय लेने की प्रक्रिया पर फैसला सुना सकती है। मामले में बुधवार को भी सुनवाई होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मुफ्त का लुत्फ

चालक के अनुसार, ट्रक पलटने से सौ के करीब ही पेटियां बाहर गिरी थी, लेकिन राहगीर व ग्रामीण बारह सौ से अधिक पेटियां लूट ले गये। अमृतसर निवासी चालक जम्मू-कश्मीर से ट्रक में सेब भरकर ओडिशा-झारखंड ले जा रहा था। चालक बार-बार ऐसा न करने की दुहाई देता रहा। कहता रहा कि वह मालिक को क्या जवाब देगा। लेकिन किसी ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया। यहां तक कि रास्ते से गुजरते बड़ी गाड़ियों में सवार लोग भी पेटी लूटने का लोभ नहीं त्याग सके।

इंसानियत भी शर्मसार ऐसी करतूत से/ मानवीय मूल्यों में गिरावट का चरम तब उजागर हुआ जब एक सड़क दुर्घटना में घायल ट्रक चालक की मदद के बजाय लोग ट्रक में भरी सेब की एक हजार से अधिक पेटियां लूट ले गये। चालक चीखता रहा, राहगीर व ग्रामीण सेब की पेटियां लूटते रहे। पंजाब के फतेहगढ़ साहब में जीटी रोड पर स्थित गांव राजेंद्रगढ़ के निकट कार को बचाने के प्रयास में एक सेब से भरा ट्रक पलट गया। घायल चालक व परिचालक प्राथमिक उपचार के बाद लौटे तो देखा कि ट्रक में लदी सेब की पेटियां लूटी जा रही हैं। चालक के अनुसार, ट्रक पलटने से सौ के करीब ही पेटियां बाहर गिरी थी, लेकिन राहगीर व ग्रामीण बारह सौ से अधिक पेटियां लूट ले गये। अमृतसर निवासी चालक जम्मू-कश्मीर से ट्रक में सेब भरकर ओडिशा-झारखंड ले जा रहा था। चालक बार-बार ऐसा न करने की दुहाई देता रहा। कहता रहा कि वह मालिक को क्या जवाब देगा। लेकिन किसी ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया। यहां तक कि रास्ते से गुजरते बड़ी गाड़ियों में सवार लोग भी पेटी लूटने का लोभ नहीं त्याग सके। मगर जब किसी राहगीर द्वारा घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला गया तो वह वायरल हो गया। देश ही नहीं, कनाडा-अमेरिका से इस घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। देश-दुनिया के पंजाबियों ने वीडियो देखकर घटना को शर्मसार करने वाला माना। सभी ने घटना की भर्त्सना की और ट्रक चालक की मदद की पेशकश की। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। सरकार ने भी कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वीडियो में देखे गये लोगों के फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों से उनके बारे में सूचना देने को कहा गया। शाम होते-होते लूट में शामिल कुछ लोगों की शिनाख्त की गयी है। यही नहीं, घटना से व्यथित लोग सामने आये और ट्रक चालक के नुकसान की भरपाई के लिये चेक देकर सार्थक पहल की। सवाल उठता है कि क्यों खाते-पीते घरों के लोग 'मुफ्त का चंदन, घिस रघुनंदन' की तर्ज पर सेब की पेटियां लूटने पर आमादा हुए? क्यों उन्हें महसूस नहीं हुआ कि दुर्घटना के शिकार चालक व परिचालक की मदद पहले करनी चाहिए? वह भी उस पंजाब में जहां इस तरह के कृत्य को कभी मान्यता नहीं दी गई। जहां भूखों को खाना खिलाने की समृद्ध परंपरा रही है। ऐसा नहीं है कि ऐसी घटना सिर्फ पंजाब में हुई है, देश के विभिन्न राज्यों से गाहे-बगाहे ऐसी ही घटनाओं के वीडियो वायरल होते रहते हैं। सवाल उन महंगी कार चालकों की नीयत पर भी उठे जिन्होंने कार रोक सेब की पेटियां उठायी और चलते बने। आखिर समृद्ध लोग भी 'लूट की छूट' के खेल में क्यों शामिल हो जाते हैं? यह जानते हुए कि ट्रक चालक एक तरफ तो शारीरिक रूप से घायल हुआ है, दूसरी ओर उसकी नौकरी व साख पर भी आंच आएगी। चालक रोता-गिड़गिड़ाता लोगों से कहता भी रहा कि मैं व्यापारी को क्या जवाब दूंगा? मैं क्या सबूत दूंगा कि मेरा माल चोरी हो गया? मुझे झूठा ठहरा दिया जायेगा। यहां हमें सोशल मीडिया को भी श्रेय देना होगा जिसने लूट के खेल को जगजाहिर कर दिया। अन्यथा जीटी रोड के एक गांव के पास घटी घटना का सच कभी सामने न आता। व्यापारी के मन में ट्रक चालक को लेकर शंका जन्म लेती कि कहीं उसने ट्रक का माल किसी दूसरे व्यापारी को तो नहीं बेच दिया। निस्संदेह, ज्यों-ज्यों समाज में समृद्धि व संपन्नता आई है, लोगों का अंतहीन प्रलोभन थम नहीं रहा है। यही वजह है कि पंजाब के प्रबुद्ध और जागरूक लोगों में इस घटना की तीखी प्रतिक्रिया भारत व सात समुद्र पार भी देखी गई। उन्होंने इस घटना को पंजाब की अस्मिता पर दाग माना और मदद की पेशकश भी की। यह घटना हमें कई सबक देकर जाती है। बताती है कि हमारी भौतिक उन्नति तब तक सारहीन है जब तक हमारे व्यवहार में मानवीय मूल्य जीवंत नहीं होंगे।

सूक्ति

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है।
- राल्फ वाल्डो एमर्सन

आप आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं तो कुछ परेशानी तो उठानी ही पड़ेगी।
- एबिगैल वैन ब्यूरेन

लॉफिंग ज़ोन

टीचर, 'निशू, 'हवा से बातें करना' शब्दों को किसी वाक्य में इस्तेमाल करो.'

निशू, 'सर ! कल मम्मी, पापा और मैं नहर पर सैर करने गए. मम्मी-पापा मुझे पुल पर खड़ा करके नहर किनारे सैर करने चले गए. उनके वापस आने तक मैं 'हवा से बातें ' करता रहा.'

☺ ☺ ☺

नंद किशोर, 'भई तुम्हारी शादी को 5 साल हो गए हैं और तुम कह रहे हो कि इन 5 सालों में तुम्हारी सास केवल एक बार ही तुम्हारे घर आईं यह कैसे हो सकता है?'

राम किशन, 'शादी के दूसरे ही दिन हमारे घर आ गई थीं तब से वापस जाने का नाम नहीं लिया तो फिर दोबारा हमारे घर आने का सवाल कैसे पैदा होता है.'

☺ ☺ ☺

एक महा कंजूस सेठ की बेटी की शादी के बाद जब डोली जाने लगी तो सेठ अपनी कम्पनी के मैनेजर से बोले, 'मुरारी लाल मेरी बेटी के दहेज के सामान में शतरंज के खेल का सारा सामान भी रख देना.'

मैनेजर हैरान होकर बोला, 'वो किसलिए सेठ जी, क्या बेटी ससुराल जाकर शतरंज खेलेगी?'

सेठ जी गुस्से से बोले, 'नहीं यह बात नहीं, दरअसल मैंने लड़के के पिता से वायदा किया था कि अपनी बेटी की विदाइगी हाथी-घोड़ों के साथ करूंगा.'

महिला अपराध रोकने को हो फौलादी इच्छाशक्ति

प्रेम चौधरी

नयी दिल्ली में श्रद्धा वालकर के लिव-इन-पार्टनर आफताब पूनावाला द्वारा की गई वीभत्स हत्या, जिसमें कथित तौर पर लाश के 35 टुकड़े किए गए हैं, प्रसंग ने महिलाओं के विरुद्ध हिंसा पर पुनः ध्यान खींचा है। यह हिंसा शारीरिक, भावनात्मक, यौन या मानसिक हो सकती है। यह करतूत किसी निकट सहयोगी या जान-पहचान वाले या फिर पूर्व पति, लिव-इन-पार्टनर या पुरुष-मित्र इत्यादि की हो सकती है। औरत के खिलाफ हिंसा का खतरा जीवनपर्यंत बना रहता है, बल्कि उसके पैदा से पूर्व भी- भ्रूण लिंग पहचान एवं गर्भपात से लेकर बाल-विवाह, जबरन शादी, दहेज-संबंधी हिंसा, वेश्यावृत्ति में धकेलना, सार्वजनिक स्थानों एवं कार्यस्थल पर यौन प्रताड़ना, प्रतिष्ठा-वध, तेजाबी हमला और बलात्कार इत्यादि रूपों में। सामाजिक रीत में कन्या की पैदाइश से बचना और पुत्र प्राप्ति के प्रति आसक्ति सदा रही है। अध्ययन हमें निरंतर बढ़ते जा रहे लिंग-अनुपात का अंतर दर्शाते हैं। वर्ष 1981 में प्रति 1000 पुरुषों के बरक्स 962 महिलाएं थीं, जो 1991 में 945, 2001 में 927 तो 2011 में और घटकर 914 रह गईं। पितृसत्तात्मक व्यवस्था और सामाजिक-आर्थिक कारकों ने इस अधोगति को बढ़ाया है। पुत्र-चाहना ने पति-परिवार द्वारा जन्मपूर्व लिंग जांच के जरिए गर्भ की तालेबंदी कर दी है। लिंग पहचान में यदि लड़की हुई तो गर्भपात करवाने की सोची जाती है, अधिकतर यह गर्भवती की मर्जी के बिना होता है और यह उसके यौन एवं प्रजनन अधिकारों का हनन है। इस काली करतूत पर नकेल डालने के लिए बेशक विशिष्ट कानून हैं, जिनमें इरादन गर्भपात के लिए सख्त सजा का प्रावधान है, फिर भी अनेक राज्यों में जन्म पूर्व लिंग-जांच का गैरकानूनी खेल चला हुआ है। हालांकि बाल-विवाह रोधी कानून-2006 बनने से छुटपन के विवाहों की कुल संख्या में कमी आई है, फिर भी जहां कहीं आज भी जारी है। वहां यह लड़कियों के जीवन को खतरा है, फिर इसका रूप चाहे घरेलू हिंसा, वैवाहिक-बलात्कार या कच्ची उम्र के गर्भाधान के रूप में क्यों न हो। जगह निजी हो या सार्वजनिक, महिला विवाहित हो या नहीं, उस पर बलात्कार और शारीरिक-मौखिक छेड़छाड़ सहित यौन हिंसा का खतरा सदा मंडराता रहता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक 2021 में भारत में औसतन रोजाना 86 बलात्कार हुए। महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक मामलों की प्रति घंटा संख्या लगभग 49 थी। यौन हिंसा की शिकार बनी बहुत सी महिलाएं समाज खासकर परिवार और जाति में बेजा फजीहत और हिकारत भरे अनुभवों की आशंका से गहरी शर्मिंदगी ढोने को मजबूर हो जाती हैं। यह मनोस्थिति आत्महत्या या खुद को चोटिल करने वाली हिंसा की ओर प्रेरित कर सकती है। पुरुष की यौन पहल का विरोध करना या ठुकराने पर कुछ महिलाओं को तेजाब हमला तक झेलना पड़ा है। तेजाब हमलों के ज्यादातर मामले उन महिलाओं के हैं जिन्होंने पितृसत्तात्मक नियमों को चुनौती दी, बाल-विवाह का विरोध किया या किसी का इकतरफा प्रणय ठुकराया। वर्ग विशेष की महिलाओं के विरुद्ध हिंसा भी होती रहती है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित महिलाएं अनेक प्रकार के भेदभाव और हिंसा का बारम्बार शिकार बनती हैं। जातिगत भेदभाव में एक ही जाति से होने के बावजूद 'ऊंच-नीच' का फर्क अभी भी गहरा और व्याप्त है। महिला शिकायतों के निदान के लिए कानूनी उपाय हेतु कई संस्थान बनाए गए हैं। कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिबंध एवं निदान) कानून 2013 के अंतर्गत 10 से अधिक महिलाकर्मी वाले सभी कार्यस्थलों पर एक शिकायत कमेटी का गठन करने का प्रावधान है। हालांकि इसमें झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायत के लिए जुर्माना वाली धारा है, तथापि इस कानून में ख्याल रखा गया है कि यथेष्ट सुबूत या टिकाऊ शिकायत के अभाव के नाम पर पीड़ित महिला को दुबारा यह उत्पीड़न न भुगतना पड़े। वर्ष 2012 के कुख्यात और नृशंस निर्भया कांड के बाद महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के मामलों पर कार्रवाई करने को राष्ट्रीय स्तर पर तरजीह दी गई। भारतभर में इस कांड के बाद जिस कदर रोष प्रदर्शन हुए थे, उससे आपराधिक कानून संशोधन-2013 बना। इसमें तेजाब हमले को 'अपराध विशेष' माना गया और यौन उत्पीड़न, महिला को निर्वस्त्र करने के उद्देश्य से आपराधिक बल प्रयोग, बेजा आशिकी या पीछा करने जैसे कृत्यों के लिए भी सजा का प्रावधान है। आपराधिक कृत्यों की नई परिभाषाओं और कड़ी सजा से युक्त यह कानून विधेयक ढांचे में सुधार लेकर आया है। अलबत्ता इस कानून के पूरी तरह क्रियान्वयन में बहुत कुछ करने की जरूरत है। घरेलू हिंसा पीड़ित स्त्री को यदि नए सुरक्षा कानून के अंतर्गत अपनी शिकायत दर्ज करवाने में मुश्किल हो तो सुरक्षा अधिकारी का संरक्षण दिए जाने का प्रावधान है। पर देशभर में ऐसे सुरक्षा अधिकारियों की भर्ती और नियुक्ति नाकाफी है, ज्यादा संख्या अतिरिक्त-समय में काम करने वालों की है, तिस पर शिकायत दर्ज करवाने में पीड़िता की सहायता हेतु यथेष्ट संसाधन नहीं है। उदाहरणार्थ, 3.2 करोड़ की महिला आबादी वाले राजस्थान में केवल 600 के आसपास महिला सुरक्षा अधिकारी हैं और लगभग 120 संगठन बतौर सेवा-प्रदाता पंजीकृत हैं। महिलाओं के विरुद्ध किए गए अपराधों की जांच, मुकदमा चलाने और सजा दिलवाने के संबंध में चिंताएं उठती रहती हैं। फिर भी पुलिस बल और न्यायपालिका में महिला उपस्थिति का अनुपात बहुत कम है। यह महिला संबंधी मामलों पर ध्यान में कमी का एक कारक है। खुद दीगर पुलिस-न्यायिक-अन्य अधिकारियों के अंदर पितृसत्तात्मक रवैया गहरा धंसे होने की वजह से भी महिला विरोधी हिंसा की पीड़िता या तो शिकायत नहीं करवा पाती या वापस लेने को मजबूर की जाती है या फिर अदालती चक्कर में पड़ने से कतराती है। मददविहीन पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की अक्षमता के चलते स्त्री विरोधी हिंसा और भेदभावपूर्ण बर्ताव के मामले बढ़े हैं। हानिकारक रीति-रिवाज, लिंग आधारित भेदभाव और पितृसत्तात्मक मानसिकता बने रहना गंभीर चिंता है। 'महिला से पुरुष श्रेष्ठ है', यह भाव महिला-दासता को बदतर करने के अलावा प्रासंगिक कानून एवं नीति उपायों के क्रियान्वयन में भी रुकावट हैं। इन विषयों पर बृहद प्रयास किए बगैर शैक्षणिक संस्थान, कार्यस्थल, परिवार, समुदाय और मीडिया में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा का खात्मा एक बहुत बड़ी चुनौती बनी रहेगी। जरूरी है कि महिलाओं के विरुद्ध तमाम किस्म की हिंसा के उन्मूलन प्रयासों में प्रशासन इस चुनौती को कमतर न आंके।

लेखिका स्तंभकार एवं शिक्षाविद् हैं।

पत्रकारिता का स्वरूप विविध आयाम व महत्व

(लेखक - प्रो.(डॉ)शरद नारायण खरे)

पत्रकारिता शब्द अंग्रेज़ी के जर्नलिज़्मका हिंदी रूपांतर है। शब्दार्थ की दृष्टि से जर्नलिज्म शब्द जर्नल से निर्मित है और इसका आशय है दैनिक। अर्थात जिसमें दैनिक कार्यों व सरकारी बैठकों का विवरण हो। आज जर्णल शब्द मैगजीन का द्योतक हो चला है। यानी दैनिक दैनिक समाचार-पत्र या दूसरे प्रकाशन कोई सर्वाधिक प्रकाशन जिसमें किसी विशिष्ट क्षेत्र के समाचार हो। पत्रकारिता लोकतंत्र का अविभाज्य अंग है। प्रतिपल परिवर्तित होनेवाले जीवन और जगत का दर्शन पत्रकारिता द्वारा ही संभव है। परिस्थितियों के अध्ययन चिंतन-मनन और आत्माभिव्यक्ति की प्रवृत्ति और दूसरों का कल्याण अर्थात् लोकमंगल की भावना ने ही पत्रकारिता को जन्म दिया है ।

सी. जी. मूलर ने बिल्कुल सही कहा है कि- सामायिक ज्ञान का व्यवसाय ही पत्रकारिता है। इसमें तथ्यों की प्राप्ति उनका मूल्यांकन एवं ठीक-ठाक प्रस्तुतीकरण होता है। डॉ॰ अर्जुन तिवारी के कथानानुसार- ज्ञान और विचारों को समीक्षात्मक टिप्पणियों के साथ शब्द ध्वनि तथा चित्रों के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाना ही पत्रकारिता है। यह वह विद्या है जिसमें सभी प्रकार के पत्रकारों के कार्यो कर्तव्यों और लक्ष्यों का विवेचन होता है। पत्रकारिता समय के साथ समाज की दिग्दर्शिका और नियामिका है।श्री प्रेमनाथ चतुर्वेदी के अनुसार पत्रकारिता विशिष्ट देश काल और परिस्थिति के आधार पर तथ्यों का परोक्ष मूल्य का संदर्भ प्रस्तुत करती है . टाइम्स पत्रिका के अनुसार- पत्रकारिता इधर-उधर उधर से एकत्रित सूचनाओं का केंद्र जो सही दृष्टि से संदेश भेजने का काम करता है जिससे घटनाओं का सहीपन को देखा जाता है. डॉ कृष्ण बिहारी मिश्र के अनुसार- पत्रकारिता वह विद्या है जिसमें पत्रकारों के कार्यों कर्तव्यों और उद्देश्यों का विवेचन किया जाता है. जो अपने युग और अपने संबंध में लिखा जाए वह पत्रकारिता है. डॉ भुवन सुराणा के अनुसार- पत्रकारिता वह धर्म है जिसका संबंध पत्रकार के उस धर्म से है जिसमें वह तत्कालिक घटनाओं और समस्याओं का अधिक सही और निष्पक्ष विवरण पाठक के समक्ष प्रस्तुत करता है. उपरोक्त परिभाषाएं के आधार पर हम कह सकते हैं कि पत्रकारिता जनता को समसामयिक घटनाएं वस्तुनिष्ठ तथा निष्पक्ष रुप से उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कार्य है . सत्य की आधार शीला पर पत्रकारिता का कार्य आधारित होता है तथा जनकल्याण की भावना से जुड़कर पत्रकारिता सामाजिक परिवर्तन का साधन बन जाता है.

पत्रकारिता का स्वरूप व विशेषताएं--

सामाजिक सरोकारों तथा सार्वजनिक हित से जुड़कर ही पत्रकारिता सार्थक बनती है। सामाजिक सरोकारों को व्यवस्था की दहलीज तक पहुँचाने और प्रशासन की जनहितकारी नीतियों तथा योजनाओं को समाज के सबसे निचले तबके तक ले जाने के दायित्व का निर्वाह ही सार्थक पत्रकारिता है। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा पाया (स्तम्भ) भी कहा जाता है। पत्रकारिता ने लोकतंत्र में यह महत्त्वपूर्ण स्थान अपने आप नहीं हासिल किया है बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति पत्रकारिता के दायित्वों के महत्त्व को देखते हुए समाज ने ही दर्जा दिया है। कोई भी लोकतंत्र तभी सशक्त है जब पत्रकारिता सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी सार्थक भूमिका निभाती रहे। सार्थक पत्रकारिता का उद्देश्य ही यह होना चाहिए कि वह प्रशासन और समाज के बीच एक महत्त्वपूर्ण कड़ी की भूमिका अपनाये। पत्रकारिता के इतिहास पर नजर लडालें तो स्वतंत्रता के पूर्व पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति का लक्ष्य था। स्वतंत्रता के लिए चले आंदोलन और स्वाधीनता संग्राम में पत्रकारिता ने अहम और सार्थक भूमिका निभाई। उस दौर में पत्रकारिता ने पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोने के साथ-साथ पूरे समाज को स्वाधीनता की प्राप्ति के लक्ष्य से जोड़े रखा। इंटरनेट और सूचना के आधिकार (आर.टी.आई.) ने आज की पत्रकारिता को बहुआयामी और अनंत बना दिया है। आज कोई भी जानकारी पलक झपकते उपलब्ध की और कराई जा सकती है। मीडिया आज काफी सशक्त स्वतंत्र और प्रभावकारी हो गया है। पत्रकारिता की पहुँच और आभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का व्यापक इस्तेमाल आमतौर पर सामाजिक सरोकारों और भलाई से ही जुड़ा है किंतु कभी कभार इसका दुरपयोग भी होने लगा है।संचार क्रांति तथा सूचना के आधिकार के अलावा आर्थिक उदारीकरण ने पत्रकारिता के चेहरे को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। विज्ञापनों से होनेवाली अथाह कमाई ने पत्रकारिता को काफी हद तक व्यावसायिक बना दिया है। मीडिया का लक्ष्य आज आधिक से आधिक कमाई का हो चला है। मीडिया के इसी व्यावसायिक दृष्टिकोन का नतीजा है कि उसका ध्यान सामाजिक सरोकारों से कहीं भटक गया है। मुद्दों पर आधारित पत्रकारिता के बजाय आज इन्फोटेमेंट ही मीडिया की सुर्खियों में रहता है। इंटरनेट की व्यापकता और उस तक सार्वजनिक पहुँच के कारण उसका दुष्प्रयोग भी होने लगा है। इंटरनेट के उपयोगकर्ता निजी भड़ास निकालने और अतंर्गततथा आपत्तिजनक प्रलाप करने के लिए इस उपयोगी साधन का गलत इस्तेमाल करने लगे हैं। यही कारण है कि यदा-कदा मीडिया के इन बहुपयोगी साधनों पर अंकुश लगाने की बहस भी छिड़ जाती है। गनीमत है कि यह बहस सुझावों और शिकायतों तक ही सीमित रहती है। उस पर अमल की नौबत नहीं आने पाती। लोकतंत्र के हित में यही है कि जहाँ तक हो सके पत्रकारिता हो स्वतंत्र और निर्बाध रहने दिया जाए और पत्रकारिता का अपना हित इसमें है कि वह आभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग समाज और सामाजिक सरोकारोंके प्रति अपने दायित्वों के ईमानदार निवर्हन के लिए करती रहे। मनुष्य स्वभाव से ही जिज्ञासु होता है। उसे वह सब जानना अच्छा लगता है जो सार्वजनिक नहीं हो अथवा जिसे छिपाने की कोशिश की जा रही हो। मनुष्य यदि पत्रकार हो तो उसकी यही कोशिश रहती है कि वह ऐसी गूढ़ बातें या सच उजागर करे जो रहस्य की गहराइयों में कैद हो। सच की तह तक जाकर उसे सतह पर लाने या उजागर करने को ही हम अन्वेषी या खोजी पत्रकारिता कहते हैं। खोजी पत्रकारिता एक तरह से जासूसी का ही दूसरा रूप है जिसमें जोखिम भी बहुत है। यह सामान्य पत्रकारिता से कई मायनों में अलग और आधिक श्रमसाध्य है। इसमें एक-एक तथ्य और कड़ियों को एक दूसरे से जोड़ना होता है तब कहीं जाकर वांछित लक्ष्य की प्राप्ति होती है। कई बार तो पत्रकारों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और खोज को बीच में ही छोड़ देना पड़ता है क्योंकि आगे के रास्ते बंद हो चुके होते हैं। पत्रकारिता से जुड़ी पुरानी घटनाओं पर नजर दौड़ायें तो माई लाई कोड वाटरगेट कांड जैक एंडर्सन का पेंटागन पेपर्स जैसे अंतरराष्ट्रीय कांड तथा अन्य राष्ट्रीय घोटाले खोजी पत्रकारिता के चर्चित उदाहरण हैं।

(चिंतन-मनन)

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा यह उन लोगों की सूची है जो प्रभु से प्रेम करते हैं। संत ने कहा मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा। देवदूत बोला नहीं इसमें आप का नाम नहीं है। संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं। तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है। दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए। देवदूत ने कहा आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है। संत ने कहा तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो? देवदूत बोला इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है। यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है। देवदूत ने कहा नहीं यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते हैं।

एप्पल कार लॉन्च में 2026 तक देरी, कीमत 1 लाख डॉलर से कम होने की उम्मीद

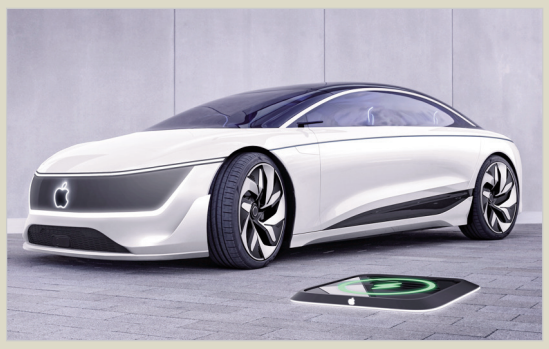

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल ने कथित तौर पर 2026 तक अपने इलेक्ट्रिक वाहन, जिसे एप्पल कार कहा जाता है, उसके लॉन्च में देरी की है और इसकी कीमत 1,00,000 डॉलर से कम होने की उम्मीद है।गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल सेल्फ-ड्राइविंग इलेक्ट्रिक वाहन के लिए अपने दृष्टिकोण को कम कर रहा है। इस वाहन के प्रोजेक्ट को टाइटन के नाम से जाना जाता है और ऐसा लगता है कि यह पिछले कुछ महीनों से अधर में लटका हुआ है। प्रारंभ में, आईफोन निर्माता का इरादा बिना स्टीयरिंग व्हील या पैडल के एक ऑटोमोबाइल बनाने का था, जिससे यात्री लिमोसिन-शैली के वाहन में एक दूसरे के सामने बैठ सकें। हालांकि, परियोजना को अब छोटा कर दिया गया है और चालक की सीट, स्टीयरिंग व्हील और पेडल के साथ एक और पारंपरिक डिजाइन होगा। वाहन में पूरी तरह से सेल्फ ड्राइविंग सुविधा नहीं होगी, लेकिन यह राजमार्गों पर स्वयं ड्राइव करने में सक्षम होगी। यह उपयोगकर्ताओं को सड़क पर गाड़ी चलाते समय गेम खेलने या वीडियो देखने के लिए पर्याप्त स्वायत्तता प्रदान करेगा, लेकिन जब आप किसी शहर में हों या खराब मौसम के दौरान तो इसे संभालना होगा। चूंकि टेक दिग्गज ने वाहन के लिए सुविधाओं और प्रौद्योगिकियों को कम कर दिया है, इसलिए एप्पल कार की कीमत अब 120,000 डॉलर से अधिक के बजाय 100,000 डॉलर से कम होगी, जिसकी पहले उम्मीद की गई थी। कंपनी द्वारा वाहन के डिजाइन पर अभी भी काम किया जा रहा है, लेकिन इसे अगले साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद, कार के लिए सुविधाओं की सूची 2024 तक समाप्त होने की उम्मीद है और 2026 में एप्पल कार की अपेक्षित लॉन्च से पहले 2025 में परीक्षण शुरू हो जाएगा। एप्पल कार के सबसे पहले 2024 में आने की खबर आई थी।

यस बैंक ने एफडी पर ब्याज दरों में किया बदलाव

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के यस बैंक ने 2 करोड़ रुपए से कम रकम की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरों में बदलाव किया है। बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक ब्याज की नई दरें 5 दिसंबर से प्रभावी हो गई हैं। बदलाव के बाद बैंक वर्तमान में 7 दिनों से 120 महीनों में मैच्योर होने वाली जमा पर आम जनता के लिए 3.25 फीसदी से 6.75 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.75 फीसदी से 7.50 फीसदी तक ब्याज दर दे रहा है। एक साल से 3 साल के बीच की मैच्योरिटी वाली जमा राशियों पर अब आम जनता को अधिकतम 7 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी। ब्याज दरों में बदलाव के बाद यस बैंक 7 दिन से 14 दिन की एफडी पर 3.25 फीसदी 15 दिन से 45 दिन की एफडी पर 3.70 फीसदी 46 दिन से 90 दिन की एफडी पर 4.10 फीसदी 91 दिन से 180 दिन की एफडी पर 4.75 फीसदी और 181 दिन से 271 दिन की एफडी पर बैंक 5.50 फीसदी का ब्याज दे रहा है। अब यस बैंक 272 दिन से एक साल की एफडी पर 5.75 फीसदी एक साल से 36 महीने की एफडी पर अधिकतम 7 फीसदी और 36 महीने से 120 महीने की एफडी पर 6.75 फीसदी का ब्याज दे रहा है। बता दें कि हाल ही में आरबीएल बैंक एक्सिस बैंक सीएसबी बैंक लिमिटेड कोटक महिंद्रा बैंक केनरा बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक आदि भी अपनी-अपनी एफडी दरों को बढ़ा चुके हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

आरबीआई के ब्याज दर बढ़ाने से बिकवाली हावी

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत ब्याज दर में 0.35 फीसदी वृद्धि करने की घोषणा के बाद आई है। इससे बाजार से निवेशक दूर हुए जिससे बिकवाली हावी हो गयी।

कारोबार के दौरान दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज बजाज फिनसर्व एवं टाटा स्टील के शेयरों में बिकवाली हुई। विदेशी निवेशकों के भी बाजार से दूर होने से बाजारों में ये गिरावट आई। इसके अलावा एशियाई बाजारों के कमजोर प्रदर्शन से भी घरेलू बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 215.68 अंक करीब 0.34 फीसदी नीचे आकर 62410.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई सूचकांक निफ्टी भी 82.25 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी नीचे आया और यह 18560.50 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से एनटीपीसी को सबसे ज्यादा दो फीसदी का नुकसान हुआ। वहीं बजाज फिनसर्व इंडसइंड बैंक टाटा स्टील रिलायंस इंडस्ट्रीज और सन फार्मा के शेयर भी गिरे जबकि दूसरी ओर एशियन पेंट्स हिंदुस्तान यूनिलीवर एलएंडटी एक्सिस बैंक और आईटीसी के शेयरों में तेजी रही। आरबीआई के रेपो दर में 0.35 फीसदी की बढ़ोतरी से बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। मई से अब तक लगातार पांचवीं बार इस दर को बढ़ाने का कारण आरबीआई ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में करना बताया पर इससे निवेशकों में डर का माहौल बन गया। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो शंघाई हांगकांग सोल और टोक्यो के सूचकांकों में भारी गिरावट रही। यूरोपीय शेयर बाजार दोपहर के सत्र में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे जबकि अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.56 फीसदी की गिरावट के साथ 78.11 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर आ गया।

सोने चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें में गिरावट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 35 रुपये नीचे आकर 54054 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं इससे पहले के कारोबारी सत्र में सोना 54089 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि चांदी भी 251 रुपये फिसलकर 65928 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गयी। बाजार जानकारों के अनुसार मंदी की आशंकाओं के कारण निवेशक जोखिम से बचने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में सोने की कीमतें गिरी हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना टूटकर 1772.8 डॉलर प्रति औंस पर था जबकि चांदी भी फिसलकर 22.30 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। अब निवेशकों की नजरें अगले सप्ताह होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर लगी हैं।

रिजर्व बैंक ने कहा- मार्च तिमाही में छह प्रतिशत से नीचे आएगी मुद्रास्फीति

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से नीचे आ जाएगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा की घोषणा करते हुए बुधवार को कहा कि केंद्रीय बैंक की मुद्रास्फीति पर अर्जुन की आंख की तरह नजर है। कीमतों की स्थिति से निपटने के लिए रिजर्व बैंक त्वरित और लचीला रुख अपनाएगा। हालांकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल सहित जिंसों के दाम नीचे आए हैं लेकिन भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से निकट अवधि का परिदृश्य अनिश्चित बना हुआ है। इसके अलावा घरेलू सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी का असर भी कीमतों पर दिखाई दिया है क्योंकि कंपनियां उत्पादन लागत का बोझ आगे बढ़ा रही हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि इन कारकों को ध्यान में रखते हुए और कच्चे तेल की औसत कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल मानते हुए हमने अनुमान लगाया है कि 2022-23 में मुख्य मुद्रास्फीति छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर यानी 6.7 प्रतिशत पर बनी रहेगी। वहीं चालू वित्त वर्ष की तीसरी अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में यह 6.6 प्रतिशत रहेगी। चौथी जनवरी-मार्च की तिमाही में मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से कम यानी 5.9 प्रतिशत रहेगी। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से आपूर्ति श्रृंखला में अड़चनों के चलते पिछले 10 माह से खुदरा मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। सरकार ने रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य दिया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि मानसून सामान्य रहने की स्थिति में अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति क्रमशः पांच प्रतिशत और 5.4 प्रतिशत रहेगी।

मिंत्रा का ईओआरएस-17, 10 से 16 दिसंबर तक 17 लाख स्टाइल्स के साथ 50 लाख खरीदारों की जरूरतों को पूरा करेगा

बेंगलुरु। मिंत्रा के द्विवार्षिक एंड ऑफ रीजन सेल (ईओआरएस) का 17वां संस्करण अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल ब्रांडों में 17 लाख स्टाइल्स के साथ 5 मिलियन दुकानदारों की मांग को पूरा करने के लिए तैयार है। कंपनी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है।कंपनी के अनुसार, 10-16 दिसंबर तक ईओआरएस का लेटेस्ट एडिशन पिछले विंटर एडिशन की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक स्टाइल काउंट के साथ बड़ा है, जो 6,000 से अधिक लोकप्रिय घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों की पेशकश पर 17 लाख से अधिक स्टाइल्स के साथ इवेंट को ऊपर उठा रहा है। मिंत्रा के अंदरूनी सूत्रों (मिंत्रा के लॉयल्टी प्रोग्राम के सदस्य) के लिए अर्ली एक्सेस 9 दिसंबर से शुरू हो रहा है। मेगा फैशन कार्निवल के दौरान पहले से ही बेजोड़ कीमतों के अलावा अंदरूनी सूत्र सभी ऑर्डर पर मुफ्त शिपिंग और 20 प्रतिशत तक की कीमत में एक तरह की कटौती का लाभ उठाएंगे। मिंत्रा में मुख्य व्यवसाय अधिकारी, शेरोन पेस ने कहा, ईओआरएस 16 सफल एडिशनों के साथ देश भर के फैशन उत्साही लोगों के लिए एक मुख्य आधार रहा है और हमें विश्वास है कि 17वां एक पंच पैक करेगा, क्योंकि यह हर साल बड़ा और बेहतर होता जा रहा है, जिसमें चयन और पेशकश पर बहुमुखी शैलियों की एक श्रृंखला के साथ भाग लेने वाले ब्रांडों की संख्या शामिल है। गाला इवेंट मिंत्रा के लिए किराना स्टोर पार्टनर्स, छोटे और मध्यम स्तर के ब्रांड और सप्लाई चेन पार्टनर्स सहित फैशन इकोसिस्टम में अपने प्रमुख भागीदारों को सशक्त बनाने के कई अवसर भी प्रस्तुत करता है। पेस ने कहा, हम उन लाखों खरीदारों को सेवा प्रदान करने की उम्मीद कर रहे हैं जो नए साल के लिए अपने लुक्स और आउटफिट्स को और बेहतर बनाने के लिए ईओआरएस का इंतजार कर रहे हैं और आने वाले पार्टी सीजन में साल को स्टाइल से खत्म करेंगे। इस सात दिवसीय कार्यक्रम में देश भर में 5 मिलियन अद्वितीय ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की भी उम्मीद है। उपभोक्ता यूएसपीए, लैकमे, डोरोथी पर्किन्स, बूहू, नेस्टी गल, एच एंड एम, मासिक, एनोमली, एटूड, लेवाइस, लुइस फिलिप, केनेथ कोल, नाइके, प्यूमा, एडिडास, बोट, रेड टेप, एचआरएक्स, बैगिट, लवी, अनौक, विशुद्ध, मामाअर्थ, मैक, बेनिफिट, बाथ एंड बॉडी वर्क्स, अन्य जैसे प्रमुख ब्रांडों से फैशन, लाइफस्टाइल, होम डेकोर, ब्यूटी और पर्सनल केयर (बीपीसी) प्रोडक्टस को तेज मूल्य ऑफर और अभूतपूर्व कीमतों पर चुन सकते हैं। श्रेणी की कुछ प्रमुख हाइलाइट्स में स्पोर्ट्स सेगमेंट शामिल है, जिसमें फुटवियर और अपैरल के लगभग 2,000 ब्रांड ऑफर पर हैं, इसके बाद बीपीसी सेगमेंट है, जो 1400 से अधिक ब्रांड्स को नेवर-बिफॉर कीमतों पर होस्ट करेगा, 70 हजार से अधिक स्टाइल जिसमें मेबेललाइन और लक्मे, निविया और वाव जैसे ब्रांडों पर बाय वन गेट वन जैसी अविश्वसनीय ऑफर भी शामिल हैं।इसके अलावा, मैक, कामा आयुर्वेद और फॉरेस्ट एसेंशियल जैसे प्रीमियम ब्रांड भी खरीदारों को जोड़ने के लिए मुफ्त उपहार और अन्य रोमांचक ऑफर दे रहे हैं। कंपनी ने कहा कि उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए तैयार किए गए सेगमेंट में नए लॉन्च में एनोमली, मैसिक, फ्रीमैन और एट्यूड जैसे प्रमुख ब्रांड शामिल हैं। मिंत्रा ने कहा, ब्रांड मेनिया और हैप्पी आवर जैसे सीमित समय के कार्यक्रम विशेष ऑफर पेश करेंगे, पहली बार खरीदारी करने वाले अपने पहले चार ऑर्डर पर मुफ्त शिपिंग की उम्मीद कर सकते हैं, साथ ही भविष्य में उपयोग के लिए रोमांचक कूपन भी प्राप्त कर सकते हैं। 16,000 से अधिक किराना भागीदारों और फ्रेंचाइजी के साथ देश भर में 20 हजार पिन कोड को पूरा करने के लिए, ईओआरएस-17 इवेंट से जुड़े 80 प्रतिशत डिलीवरी का समर्थन करने के लिए मिंत्रा के प्रशंसित किराना मोड का लाभ उठाएंगे।

भारत ही नहीं दुनिया के लिए मॉडल है उत्तर प्रदेशः मिलिंडा गेट्स

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को उनके सरकारी आवास पर बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-संस्थापक मिलिंडा गेट्स ने शिष्टाचार भेंट की। गेट्स ने राज्य सरकार के साथ स्वास्थ्य, पोषण और कृषि के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग को और बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। कहा कि भारत ही नहीं दुनिया के लिए मॉडल है यूपी है। मिलिंडा गेट्स ने कहा कि हाल के वर्षों में कोविड प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी पर नियंत्रण के लिए उत्तर प्रदेश ने जैसा काम किया है, वह एक अनुकरणीय मॉडल है। कोविड की चुनौतियों के बीच यूपी के सघन जनसंख्या घनत्व और विविध सामाजिक चुनौतियों का सामना यहां के नेतृत्व ने जिस प्रकार किया वह अत्यन्त सराहनीय है। इतनी बड़ी और सघन आबादी के बीच वैक्सीनेशन का जैसा काम हुआ, उससे दुनिया को सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा, वित्तीय समावेशन, पोषण, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण आदि क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की कोशिशें प्रेरणा देने वाली हैं। यूपी न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए मॉडल है। यूपी के साथ फाउंडेशन के गहरे संबंधों की चर्चा करते हुए मिलिंडा गेट्स ने कहा कि स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में हम लंबे समय से यहां काम कर रहे हैं। यह खुशी की बात है कि समाज के सबसे कमजोर और अंतिम व्यक्ति तक हम सुविधा पहुंचाने में सफल हो पा रहे हैं। आने वाले समय मे हम यूपी के साथ अपने संबंधों को और बेहतर करने की मंशा रखते हैं। मिलिंडा गेट्स ने यूपी में प्रभावी ढंग से लागू डिजिटल बैंकिंग सिस्टम की भी सराहना की। कहा कि मिलिंडा गेट्स ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास की अपार संभावनाएं हैं। विगत वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर की बेहतरी के लिए जैसा कार्य किया है, वह अभूतपूर्व है। उत्तर प्रदेश का विकास शानदार है, उसकी दिशा सही है।

सेबी चार कंपनियों की संपत्तियों की 10 जनवरी को करेगा नीलामी

मुंबई । बाजार नियामक सेबी ने कहा कि निवेशकों से गैरकानूनी ढंग से पैसे जुटाने वाली इंफिनिटी रियलकॉन और सुमंगल इंडस्ट्रीज सहित चार कंपनियों की कुल 25 संपत्तियों की 10 जनवरी को नीलामी की जाएगी। सेबी ने सार्वजनिक सूचना में कहा कि गैरकानूनी ढंग से जुटाई गई राशि की वसूली के लिए अगले महीने की 10 तारीख को इन कंपनियों की संपत्तियों की नीलामी होगी। इन कंपनियों में जीएसएचपी रियलटेक लिमिटेड और इंफोकेयर इंफ्रा लिमिटेड भी शामिल हैं। सेबी ने कहा कि चारों कंपनियों की कुल 25 संपत्तियों को नीलामी के द्वारा बेचकर पैसे वसूले जाएंगे। इनका सम्मिलित रूप से आरक्षित मूल्य कुल 12.2 करोड़ रुपये का है। सर्वाधिक 16 संपत्तियां इंफिनिटी रियलकॉन की हैं जबकि सुमंगल की पांच और जीएसएचपी एवं इंफोकेयर की दो-दो संपत्तियों की नीलामी होगी।वहीं सेबी ने इन संपत्तियों की बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित कर कहा कि संभावित बोलीकर्ता अपने स्तर पर संपत्तियों के स्वामित्व की पड़ताल कर लें।

शाओमी इंडिया के मुख्य व्यवसाय अधिकारी रघु रेड्डी नए लक्ष्यों का पीछा करने के लिए कंपनी छोड़ी

नई दिल्ली।

विश्वसनीय सूत्रों ने बुधवार को कहा कि शाओमी इंडिया के मुख्य व्यवसाय अधिकारी रघु रेड्डी, जो लगभग तीन वर्षों से प्रमुख भूमिका में थे, नए अवसरों का पीछा करने के लिए कंपनी से चले गए हैं।शाओमी इंडिया में छह साल से अधिक समय बिताने वाले रेड्डी को फरवरी 2020 में भारत में इसके संचालन के लिए मुख्य व्यवसाय अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया था। उन्होंने पहले शाओमी इंडिया के लिए कैटेगरीस और ऑनलाइन सेल्स का नेतृत्व किया था। आईएएनएस द्वारा संपर्क किए जाने पर, शाओमी इंडिया ने विकास की पुष्टि की और कहा कि रेड्डी को शाओमी इंडिया नेतृत्व टीम के अभिन्न अंग के रूप में रखना सौभाग्य की बात है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने शाओमी को भारत में नंबर 1 स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी ब्रांड बनने में एक प्रभावशाली और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जैसे-जैसे वह बाहरी विकास के विभिन्न अवसरों का पीछा करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं, हम उनकी नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हैं। प्रवक्ता ने कहा, शाओमी इंडिया ने पिछले कुछ वर्षों में एक मजबूत नेतृत्व टीम का निर्माण किया है और हम आगे इसे और मजबूत करने की कोशिश करेंगे। एक ब्रांड के रूप में, हम सभी के लिए नवीनता प्रदान करने और जनता के लिए प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। रेड्डी ने कंपनी की घातीय बिक्री वृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में विप्रो टेक्नोलॉजीज के साथ अपना करियर शुरू किया और एक वरिष्ठ सलाहकार के रूप में अर्न्स्ट एंड यंग के साथ काम किया, उसके बाद स्नैपडील में एक वरिष्ठ निदेशक के रूप में काम किया। रेड्डी की विदाई ऐसे समय में हुई है जब शाओमी इंडिया का कारोबार देश में लगातार बढ़ रहा है। दिवाली फेस्टिव सेल के दौरान कंपनी ने देश में 1.1 करोड़ से ज्यादा स्मार्टफोन बेचे। तीसरी तिमाही में, शाओमी ने 21 प्रतिशत शिपमेंट शेयर के साथ भारत के बाजार का नेतृत्व किया।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, बजट और मिड-टियर सेगमेंट में तिमाही के दौरान नए लॉन्च ने शाओमी के शिपमेंट को बढ़ाया और ब्रांड बाजार में अपनी शीर्ष स्थिति बनाए रखने में कामयाब रहा। सब-रु 20,000 मूल्य बैंड में, शाओमी 2022 की तीसरी तिमाही में शीर्ष 5जी स्मार्टफोन ब्रांड था।

जीएमआर के तीन हवाईअड्डों में निवेश करेगा एनआईआईएफ

मुंबई ।

जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड के साथ एक वित्तीय साझेदारी के तहत नेशनल इंवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) तीन हवाईअड्डा परियोजनाओं में निवेश करेगा। जीएमआर ने निवेश फर्म एनआईआईएफ के साथ वित्तीय साझेदारी की घोषणा करते हुए कहा कि गोवा के मोपा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के लिए 631 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस हवाईअड्डे का उद्घाटन 11 दिसंबर को होने वाला है। जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की अनुषंगी इकाई जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड ने कहा कि मोपा हवाईअड्डे के परिचालन के लिए गठित जीएमआर गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर के तौर पर 631 करोड़ रुपये का निवेश एनआईआईएफ करेगा। जीएमआर ग्रुप के चेयरमैन (हवाईअड्डा व्यवसाय) जीबीएस राजू ने कहा कि एनआईआईएफ दो अन्य हवाईअड्डों के लिए भी निवेश करेगा जिसमें आंध्र प्रदेश के भोगपुरम स्थित नया हवाईअड्डा भी शामिल है।

भारतीय संस्थाएं आईएफएससी में सोने की कीमत के जोखिम को कम कर सकती हैं : आरबीआई

चेन्नई।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि भारतीय संस्थाएं अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी), गुजरात में मान्यता प्राप्त एक्सचेंजों पर विदेशी बाजारों में सोने की कीमत के जोखिम को कम कर सकती हैं।रेपो रेट में 35 आधार अंकों की वृद्धि के मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की घोषणा करते हुए, दास ने कहा, भारत में निवासी संस्थाओं को वर्तमान में विदेशी बाजारों में सोने की कीमत के जोखिम के लिए अपने जोखिम को कम करने की अनुमति नहीं है। दास ने कहा, इन संस्थाओं को अपने सोने के जोखिम के मूल्य जोखिम को कम करने के लिए अधिक फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करने की दृष्टि से, निवासी संस्थाओं को अब आईएफएससी में मान्यता प्राप्त एक्सचेंजों पर अपने सोने की कीमत के जोखिम को कम करने की अनुमति दी जाएगी। इस उपाय से सोने के आयातकों/निर्यातकों को लाभ होगा जैसे जौहरी और उद्योग जो सोने का उपयोग मध्यवर्ती या कच्चे माल के रूप में करते हैं। कामा ज्वेलरी के प्रबंध निदेशक कॉलिन शाह ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा, आईएफएससी में गोल्ड को हेज करने के लिए आरबीआई की मंजूरी एक सकारात्मक कदम है और उत्पादन के लिए प्राथमिक कच्चे माल के रूप में पीली धातु का उपयोग करने वाले सोने के आयातकों और निर्यातकों के लिए एक मेजर इनेब्लर है। इससे भारतीय आभूषण उद्योग की मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में मदद मिलेगी। शाह ने कहा, यह खिलाड़ियों को कीमतों में उतार-चढ़ाव और मुद्रा के प्रतिकूल उतार-चढ़ाव के खिलाफ अपनी पोजीशन को हेज करने में मदद करेगा। इससे आईएफएससी की मात्रा और गतिविधियों में भी वृद्धि होगी।

मॉर्गन स्टेनली ने की लगभग 1,600 कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।

वैश्विक निवेश सलाहकार फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अपने वैश्विक कर्मचारियों के लगभग 2 प्रतिशत यानी लगभग 1,600 कर्मचारियों की कटौती की है। मीडिया ने यह जानकारी दी।सीएनबीसी ने सूत्रों का हवाला देते हुए पहली बार छंटनी की सूचना दी, मॉर्गन स्टेनली के सीईओ जेम्स गॉर्डन ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि कुछ लोगों को निकाला जा सकता है। कंपनी में लगभग 81,567 कर्मचारी हैं और छंटनी वैश्विक निवेश बैंक के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित करेगी।

फिलहाल, मॉर्गन स्टेनली ने अभी तक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। मॉर्गन स्टेनली ने प्रतिद्वंद्वी गोल्डमैन सैक्स और सिटीग्रुप और बार्कलेज सहित अन्य निवेश फर्मों की तरह छंटनी को लेकर काफी विचार-विमर्श किया और फिर 1600 कर्मचारियों को निकाला। रिपोर्ट में कहा गया है, बैंक आम तौर पर बोनस का भुगतान करने से पहले अपने सबसे कमजोर कर्मचारियों को 1 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक कम कर देते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मॉर्गन स्टेनली ने हाल के वर्षों में कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि की थी। 2020 की पहली तिमाही से इस साल की तीसरी तिमाही तक बैंक के कर्मचारियों की संख्या में 34 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। सिर्फ मॉर्गन स्टेनली ही नहीं, कई अन्य कंपनियों, जैसे कि अमेजॉन, ट्विटर, पेप्सिको, एडोब , मेटा और ट्विटर ने वैश्विक व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के बीच कर्मचारियों की छंटनी की है।

सीए पैनल से नाराज वार्नर ने छोड़ा कप्तानी का इरादा समीक्षा याचिका वापस ली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने टीम की कप्तानी करने पर लगे आजीवन प्रतिबंध को हटाने की अपनी याचिका वापस ले ली है। वार्नर ने कहा कि वह क्रिकेट की गंदगी को साफ करने के लिए अपने परिवार को वाशिंग मशीन नहीं बना सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने स्वतंत्र समीक्षा पैनल पर भी सवाल उठाए। वार्नर को साल 2018 में केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ मामले को लेकर आजीवन प्रतिबंधित कर दिया गया था। वहीं पिछले महीने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अपनी आचार संहिता में बदलाव करने के बाद उन्होंने समीक्षा याचिका लगायी थी ताकि उन्हें एक बार फिर कप्तानी का अवसर मिल सके। वहीं अब इस 36 वर्षीय क्रिकेटर ने कप्तान बनने का इरादा त्याग दिया है। साथ ही उनपर अपमानजनक टिप्पणियों के लिए सीए के पैनल पर निशान साधने के साथ ही पूरी प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। वार्नर ने अपने एक बयान में कहा ''मेरे और सीएके विरोध के बाद भी पिछले हफ्ते मंगलवार को समीक्षा पैनल और समीक्षा पैनल की सहायता करने वाले वकील ने मेरे आवेदन के निर्धारण के लिए एक अनियमित प्रक्रिया अपनाई और एक उपन्यास जैसा दृष्टिकोण स्थापित किया जिसका मेरे परिवार के स्वास्थ्य और कल्याण तथा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के हितों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।''

मीराबाई चानू ने कलाई में चोट के बावजूद विश्व चैंपियनशिप में जीता पदक

बोगोटा (कोलंबिया) ।(एजेंसी)

स्टार भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू कलाई में चोट के कारण अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी लेकिन इसके बावजूद यहां विश्व चैंपियनशिप में कुल 200 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक जीतने में सफल रही। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता चानू ने मंगलवार रात 49 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा पेश करते हुए स्नैच में 87 किग्रा जबकि क्लीन एवं जर्क में 113 किग्रा वजन उठाया। चीन की जियांग हुइहुआ ने कुल 206 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच में 93 जबकि क्लीन एवं जर्क में 113 किग्रा वजन उठाया। उनकी हमवतन और टोक्यो ओलंपिक चैंपियन होउ झीहुआ ने कुल 198 किग्रा (89 और 109 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा ने कहा, 'हम इस प्रतियोगिता के लिए कोई दबाव नहीं ले रहे थे। मीरा इतना वजन नियमित तौर पर उठाती है। अब हम वजन बढ़ाना और सुधार करना शुरू करेंगे। विश्व चैंपियनशिप 2017 की विजेता चानू की कलाई में सितंबर में ट्रेनिंग सत्र के दौरान चोट लगी थी। उन्होंने चोट के बावजूद अक्टूबर में राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लिया था। विजय शर्मा ने कहा, 'हम चोट को लेकर अधिक कुछ नहीं कर सकते थे क्योंकि हम विश्व चैंपियनशिप से बाहर नहीं होना चाहते थे। अब हम उसकी कलाई पर ध्यान देंगे क्योंकि अगली प्रतियोगिता से पहले हमारे पास काफी समय है चानू के वर्ग में 11 भारोत्तोलकों की मौजूदगी के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी लेकिन अधिकांश भारोत्तोलकों ने अधिक जोर नहीं लगाने का फैसला किया। झीहुआ तो क्लीन एवं जर्क में अपने अंतिम प्रयास के लिए उतरी ही नहीं और कांस्य पदक से संतोष किया। राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक के बाद पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही चानू ने स्नैच में 84 किग्रा वजन उठाकर शुरुआत की। उन्होंने दूसरे प्रयास में 87 किग्रा वजन उठाया लेकिन यह वैध नहीं माना गया। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में सफलतापूर्वक 87 किग्रा वजन उठाया। स्नैच के बाद पांचवें स्थान पर चल रही चानू ने क्लीन एवं जर्क में पहले प्रयास में 111 किग्रा वजन उठाने की कोशिश की जो सभी

प्रतिस्पर्धियों के बीच सबसे अधिक वजन था। चानू के पहले प्रयास को 'नो लिफ्ट% कहा गया जिसे भारत ने चुनौती दी लेकिन जजों ने इस फैसले को बरकरार रखा। क्लीन एवं जर्क में विश्व रिकॉर्ड धारक चानू ने अपने अगले दो प्रयास में 111 और 113 किग्रा वजन उठाया।

लंका प्रीमियर लीग 2022: जाफना किंग्स की लगातार दूसरी जीत, 9 विकेट से जीता मैच

हंबनटोटा।(एजेंसी)

मौजूदा चैंपियन जाफना किंग्स ने अपनी जीत की लय जारी रखते हुए लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में डंबुला जायंट्स पर 9 विकेट से लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दांबुला ऑरा से मिले 1222 रन के लक्ष्य को भेदने मैदान में उतरी जाफना किंग्स ने 15.4 ओवर में मात्र एक विकेट गंवाकर मैच को अपने नाम कर लिया। सदीरा समरविक्रमा की 44 गेंदों में 62 रन और अविष्का फर्नांडो की 49 गेंदों में 51 रन की शुरुआती साझेदारी की मदद से जाफना किंग्स ने आसान जीत हासिल की। सदीरा की पारी में 7 चौके और 1 छक्का शामिल था जबकि फर्नांडो की पारी में 4 चौके और 1 छक्का लगा। डंबुला ऑरा के लिए नूर अहमद ने एक विकेट झटका। इससे पहले डंबुला जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जॉर्डन कॉक्स और शेवोन डेनियल ने दांबुला ऑरा के लिए मंच तैयार किया। दांबुला ऑरा के लिए जॉर्डन ने सर्वाधिक 22 गेंदों में 43 रन बनाए जिसमें 3 चौके और 4 छक्के शामिल थे। नियमित रूप से विकेट गिरने के कारण ऑरा गति नहीं बना सका।

पारी के अंत में भानुका राजपक्षे और रमेश मेंडिस ने क्रमशः 18 और 10 रन बनाकर टीम को 9 विकेट के नुकसान पर 121 तक पहुंचाने में मदद की। जाफना किंग्स के लिए, विजयकांत व्यासकांत (3/24) और महेश ठीकशाना (3/20) गेंदबाजों की पसंद थे। जेम्स फुलर ने भी योगदान दिया क्योंकि उन्होंने 16 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए।

हमारी टीम में विश्वास मुख्य कारक है : हरमनप्रीत कौर

(एजेंसी) आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुंबई में 9 दिसंबर से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि मौजूदा महिला टीम में विश्वास एक इकाई के रूप में उनकी सबसे बड़ी ताकत है। डीवाई पाटिल स्टेडियम (पहले दो मैच) और ब्रेबॉर्न स्टेडियम (अगले तीन मैच) में आस्ट्रेलिया के खिलाफ घर में होने वाली सीरीज से हरमनप्रीत की टीम की आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की तैयारी फिर से शुरू हो जाएगी, जिसका आयोजन दक्षिण अफ्रीका में 10-26 फरवरी तक होना है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सबसे सकारात्मक बात यह है कि वे मेरे सामने खुल रहे हैं क्योंकि अगर वे खुलकर बातें नहीं करते हैं, तो मैं भी उनकी मदद नहीं कर पाऊंगी। वे मुझ पर, मेरी योजनाओं और मेरी शक्तियों और सभी पर भरोसा कर रहे हैं। ये बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि हमें टीम के अन्य सदस्यों से जो समर्थन मिल रहा है और टीम जो प्रयास कर रही है, वह इन सकारात्मक परिणामों को प्राप्त करने का कारण है क्योंकि अगर आपको अपनी टीम पर भरोसा है, तो आप मैदान पर कहीं भी पीछे नहीं रह सकते। हरमनप्रीत ने कहा, तो, यह विश्वास कारक है जो हमारी टीम के भीतर है, यही वह ताकत है जो अभी हमारे पास है। जिस कारण से हम एक टीम के रूप में सुधार कर रहे हैं और हर टूर्नामेंट में परिणाम देने में सक्षम हैं। वह विश्वास कारक है, जो हमारी मदद कर रहा है।

FIFA 2022 : रामोस की हैट्रिक, पुर्तगाल ने स्विट्जरलैंड को 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

लुसैल।(एजेंसी)

स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शुरुआती एकादश में विकल्प गोंसालो रामोस की हैट्रिक से पुर्तगाल ने मंगलवार को यहां फीफा विश्व कप के प्री क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड पर 6-1 की आसान जीत दर्ज की। पिछले महीने पुर्तगाल की ओर से पदार्पण करने वाले 21 साल के रामोस ने देश की ओर से पहली बार शुरुआती एकादश में जगह बनाई और उस खेल की झलक पेश की जिसके लिए रोनाल्डो मशहूर हैं। रामोस ने 17वें मिनट में पहला दागे दागा और फिर 51वें और 67वें मिनट में दो और गोल किए। रोनाल्डो 72वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे, लेकिन उससे पहले ही टीम 5-1 की बढ़त के साथ अपनी जीत लगभग सुनिश्चित कर चुकी थी। पुर्तगाल की ओर से पेपे (33वें मिनट), राफेल गुरेइरो (55वें मिनट) और राफेल लियाओ (90 प्लस दो मिनट) ने भी गोल दागे। स्विट्जरलैंड की ओर से एकमात्र गोल मैनुअल अकांजी ने 58वें मिनट में किया। पुर्तगाल ने तीसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। टीम इससे पहले 1966 और 2006 में भी अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रही थी। शनिवार को क्वार्टर फाइनल में टीम की भिड़ंत मोरक्को से होगी जिसने प्री क्वार्टर फाइनल में स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-0 से हराया। निर्धारित और अतिरिक्त समय के बाद दोनों टीम गोल रहित बराबर थी। पुर्तगाल के कोच फर्नांडो सांतोस को अब फैसला करना है कि वह अगले मैच में रामोस को ही मौका देंगे या फिर रोनाल्डो की वापसी कराएंगे जो पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल दागने वाली खिलाड़ी और खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं। रोनाल्डो ने मैदान पर उतरने के बाद कुछ अच्छे मूव बनाए। उन्होंने स्विट्जरलैंड के गोलकीपर यान सोमेर को छकाते हुए गोल भी दागा लेकिन यह ऑफ साइड हो गया। मैच खत्म होने के बाद पुर्तगाल के खिलाड़ी स्टेडियम में मौजूद टीम के प्रशंसकों के अभिवादन के लिए मैदान पर ही रुक गए। रोनाल्डो हालांकि बाहर चले गए। वह संभवत- अपने करियर को लेकर चिंतित होंगे क्योंकि विश्व कप के

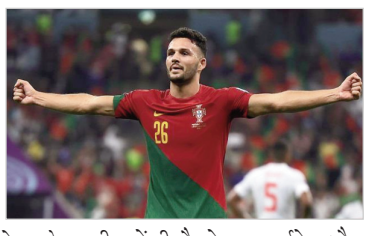

बीच में ही मैनचेस्टर यूनाईटेड और उनका नाता टूट गया है और वह अभी किसी क्लब के साथ नहीं जुड़े हैं। रोनाल्डो को बाहर करने से एक दिन पहले कोच सांतोस ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ टीम के अंतिम ग्रुप मैच में इस स्ट्राइकर को स्थानांतरित करने के बाद उनके रवैये को लेकर नाखुशी जताई थी। रोनाल्डो ने 2003 में जब पर्तुगाल के लिए पदार्पण किया था तो रामोस सिर्फ दो साल के थे। उन्होंने इस साल के विश्व कप में पहली हैट्रिक बनाई।

संक्षिप्त समाचार

'बीच सॉकर' राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन फरवरी में सूरत में होगा

नई दिल्ली । 'बीच सॉकर (फुटबॉल)' राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के उद्घाटन सत्र का आयोजन अगले साल फरवरी में होगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की 'बीच सॉकर' समिति ने मंगलवार को एक उप-समिति के गठन की सिफारिश की जो फरवरी के पहले पखवाड़े में टूर्नामेंट की मेजबानी के परिचालन पहलुओं पर गौर करेगी। समिति ने एआईएफएफ सचिवालय से बीच सॉकर के लिए नियम तैयार करने और सभी राज्य संघों को टूर्नामेंट के लिए अपनी प्रविष्टि भेजने के लिए आमंत्रित करने को कहा है। एआईएफएफ ने प्रेस नोट में कहा कि समिति ने यह भी महसूस किया कि बीच सॉकर के खिलाड़ी नियमित फुटबॉलरों से अलग होने चाहिए और जो खिलाड़ी संतोष ट्रॉफी, इंडियन सुपर लीग और आई-लीग जैसे पेशेवर टूर्नामेंट के लिए पंजीकृत हैं, उन्हें इसमें भाग लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

शानदार प्रदर्शन के चलते राहुल और अय्यर की रैंकिंग में सुधार

दुबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली बुधवार को जारी ताजा आईसीसी पुरूष वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में क्रमशः नौवें और 10वें स्थान पर बरकरार हैं, जबकि श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने छलांग लगाई है। अय्यर बांग्लादेश के खिलाफ पहले वनडे में 24 रन और इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम मैच में 49 रन बनाकर सात पायदान के फायदे से संयुक्त 20वें पर पहुंच गए हैं। वहीं राहुल ने मीरपुर में 73 रन की पारी खेलकर चार पायदान की छलांग लगाई है, जिससे वह 35वां स्थान हासिल करने में सफल रहे। रोहित और कोहली शीर्ष 10 में काबिज दो भारतीय बल्लेबाज हैं। गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर की तेज गेंदबाजी जोड़ी को भी बांग्लादेश के खिलाफ शुरूआती वनडे में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत लाभ हुआ। सिराज श्रीलंकाई लेग स्पिनर वानिंदु हसारंगा के साथ संयुक्त 26वें स्थान पर हैं, जबकि ठाकुर नौ पायदान के फायदे से 42वें स्थान पर पहुंच गए। बांग्लादेश के स्टार आल राउंडर शाकिब अल हसन भारत के खिलाफ पांच विकेट झटकने से सात पायदान के फायदे से गेंदबाजों में नौंवे स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान श्रीलंका के खिलाफ सुपर लीग सीरीज के अंतिम मैच में 37 रन देकर चार विकेट झटकने से वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में चार पायदान के लाभ से छठे स्थान पर पर पहुंच गए हैं। एक ही टेस्ट में दोहरा शतक और एक सैकड़ा जड़ने वाले आठवें खिलाड़ी बनकर आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में इंग्लैंड के जो रूट को पछाड़कर शीर्ष स्थान पर कब्जा किया। लाबुशेन दो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) टेस्ट से पहले रूट से महज दो अंक पीछे थे, लेकिन अब वह उन्होंने शीर्ष पर अंतर काफी अच्छा कर लिया है। रूट चौथे स्थान पर खिसक गये हैं। वह स्टीव स्मिथ और बाबर आजम के पीछे हैं।

BWF विश्व टूर फाइनल्स : पहले मैच में नाराओका से हारे प्रणय

बैंकॉक ।(एजेंसी)

भारत के एचएस प्रणय कड़ा संघर्ष करने के बावजूद बुधवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के पुरुष एकल के ग्रुप ए अपने पहले मैच में तीन गेम में जापान के कोडाई नाराओका से हार गए। विश्व में 12 नंबर के भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद बेहतरीन वापसी की और तीसरे और निर्णायक गेम में भी अपने प्रतिद्वंदी को कड़ी चुनौती दी लेकिन आखिरी क्षणो की तीन गलतियों के कारण उन्होंने आखिर में एक घंटे तक चला यह मैच 11-21 21-9 17-21 से गंवाया। प्रणय की जापानी खिलाड़ी के हाथों यह दूसरी हार है। इससे पहले वह जुलाई में सिंगापुर ओपन में भी उनसे हार गए थे। भारत के 30 वर्षीय खिलाड़ी ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने मैच के अधिकतर हिस्से में नियंत्रण बनाए रखा लेकिन तीसरे गेम में 15-15 की बराबरी के बाद मुझे लगता है कि मैंने जल्दबाजी दिखाई और गलतियां की। शायद मेरी रणनीति अच्छी नहीं थी। मुझे संयम बरतना चाहिए था। प्रणय ने कहा, 'मैं निर्णायक गेम में अधिक संयम बरत सकता था। मैंने तीसरे गेम में कुछ क्षेत्रों में खुद पर संदेह किया। मुझे लगता है कि मैच अभ्यास की कमी के कारण मैं असहज महसूस कर रहा था।' प्रणय का अगला मुकाबला चीन के लू गुआंग जू से होगा। इन दोनों के बीच इससे पहले एकमात्र भिड़ंत फ्रेंच ओपन में हुई थी जिसमें भारतीय खिलाड़ी को हार का सामना करना पड़ा था। प्रणय ने कहा, 'सभी मुकाबले बेहद कड़े होने जा रहे हैं लेकिन मुझे आज के मैच को भूलकर कल के मैच के लिए तैयार रहना होगा।

FIH Hockey World Cup: ओडिशा के सुंदरगढ़ में हॉकी विश्व कप का जश्न शुरू

राउरकेला।(एजेंसी)

एफआईएच ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व कप के आयोजन में अब जब लगभग एक महीने का समय बचा है तब दुनिया के सबसे बड़े हॉकी टूर्नामेंट के सहमेजबान सुंदरगढ़ जिले में उत्सव का माहौल है। जश्न की शुरुआत मंगलवार को भारतीय हॉकी में बहुमूल्य योगदान देने वाले बालिशंकरा ब्लॉक के सोनामारा गांव में जिला स्तरीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता के उद्घाटन के साथ हुई। 'किक ऑफ सेरेमनी' के बाद जिले के 17 ब्लॉक की 279 ग्राम पंचायत में हॉकी और फुटबॉल प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए 800 से अधिक टीम ने पंजीकरण कराया है। संदरगढ़ को ओडिशा में हॉकी का गढ़ माना जाता है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पद्म श्री से सम्मानित दिलीप टिर्की इस मौके पर मुख्य आकर्षण थे। भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी टिर्की की बेटी सुभद्रा प्रधान को इस मौके पर सम्मानित किया गया। सोनामारा की सराहना करते हुए टिर्की ने समारोह के दौरान कहा,''इस गांव के मैदान पर खेलकर मैंने अपने खेल को निखारा और राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। सोनामारा सहित जिले के गांवों के कई खिलाड़ियों ने सुंदरगढ़ को गौरवांवित किया है।''

कमिंस वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए स्मिथ संभालेंगे कप्तानी

एडिलेड । ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के कप्तान पैट कमिंस एडिलेड में गुरुवार से वेस्ट इंडीज के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। ऐसे में टीम की कप्तानी अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ करेंगे। वहीं एशेज सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले स्कॉट बोलैंड को भी टीम में जगह मिली है। बोलैंड अब मिचेल स्टार्क जॉश हेजलवुड और कैमरन ग्रीन के साथ तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे। कमिंस ने मंगलवार को गेंदबाजी नहीं की थी और बुधवार को ऑस्ट्रेलिया की ट्रेनिंग से पहले वह मैच से बाहर हो गए। स्मिथ मैच में कमिंस की जगह कप्तानी संभालेंगे। वहीं एक बयान के अनुसार मेडिकल स्टाफ ने एडिलेड में कमिंस की रिकवरी की बात कही थी पर चयनकर्ताओं का मानना है कि कमिंस मैच के लिए पूरी तरह से फिट नहीं है। कमिंस अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ब्रिसबेन में होने वाले पहले टेस्ट से ही वापसी करेंगे। वहीं स्मिथ ने कहा इस मैच के लिए तैयारी के लिए अभी अधिक समय है। मैं अपनी तरह से टीम को संभालूंगा मैं कुछ अलग करने की कोशिश नहीं कर सकता। जब कुछ इस तरह से होता है तो हमारे पास योजनाएं होती हैं। मैं बहुत शांत हूं मैंने पिछले साल भी ऐसी स्थिति में कप्तानी की थी और यह बहुत अच्छा गया था।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले जोकोविच एडीलेड में करेंगे 2023 की शुरुआत

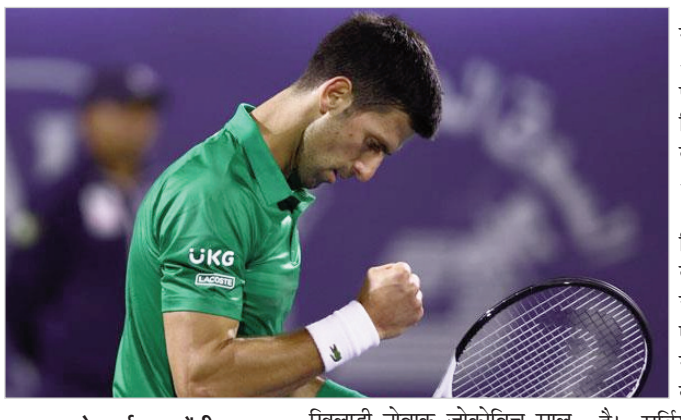

मेलबर्न ।(एजेंसी)

दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच साल 2023 में अपने अभियान की शुरुआत एडीलेड में करेंगे। पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन की पूर्व संध्या पर उनका वीजा रद्द कर दिया गया था जबकि वह गत चैंपियन थे। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने 21 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को वीजा दिया है और एक जनवरी को शुरू हो रहे एडीलेड इंटरनेशनल में खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में उनका नाम है। सर्बिया पहली यूनाइटेड कप टीम प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहा है जिससे जोकोविच 16 से 29 जनवरी तक होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले एडीलेड में अभ्यास टूर्नामेंट में खेलने के लिए स्वतंत्र हैं। एडीलेड में पुरुषों के ड्रॉ में उन्हें रूस के दानिल मेदवेदेव और आंद्रे रूबलेव, कनाडा के फेलिक्स ऑगर-एलियासिम और एंडी मरे से चुनौती मिलेगी। आव्रजन मंत्री एंड्रयू जाइल्स ने पिछले महीने पुष्टि की थी कि जोकोविच को जनवरी में ऑस्ट्रेलिया में प्रतिस्पर्धा करने के लिए वीजा दिया गया है। सर्बिया के इस खिलाड़ी को कोविड-19 टीकाकरण के खिलाफ अपने रुख को लेकर पिछले साल जनवरी में निर्वासित होने के बाद तीन साल तक के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता था। जोकोविच ने रिकॉर्ड 9 बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीता है। वह पिछली तीन बार यहां खेलते हुए खिताब जीतने में सफल रहे। उनकी अनुपस्थिति में रफेल नडाल ने इस साल खिताब जीता था। जोकोविच ने 2022 के टूर्नामेंट से पहले मेलबर्न पहुंचने से पहले कोविड-19 टीकाकरण नहीं कराया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने तब से टीका नहीं लगवाने वाले यात्रियों के लिए सख्त नियम हटा दिए हैं।

ग्रीन के आईपीएल खेलने का फैसला समय आने पर होगा : मैकडोनाल्ड

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड अगले साल होने वाले (आईपीएल) से पहले पहले कैमरन ग्रीन पर कामकाज के बोझ को लेकर परेशान हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा है कि आईपीएल में मैकडोनाल्ड के खेलने पर फैसला टूर्नामेंट के करीब आने पर होगा। ग्रीन की इस महीने की 23 तारीख को होने वाली नीलामी में आईपीएल फ्रेंचाइजी के बीच काफी मांग है। ऐसे में कोच का यह बयान ग्रीन को खरीदने जा रही टीमों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। मैकडोनल्ड ने कहा कहा क्रिकेट के आने वाले महीनों को देखते हुए ग्रीन क कुल काम का बोझ परेशानी का कारण है। क्या मुझे लगता है कि यह हर खिलाड़ी के लिए दिक्कत का विषय है। उन्होंने कहा हमने इसके बारे में कई बार बात की है। . अभी यह तय नही हो सकता है कि वह मार्च के अंत में वह कैसा अनुभव कर रहे होंगे। आईपीएल से पहले उसे बहुत क्रिकेट खेलना है और मुझे भरोसा है कि वह अभी फैसला नहीं करेगा। इस पर फैसला आईपीएल से पहले होगा। कोच ने कहा नौ टेस्ट मैच और उसके बाद भारतीय टीम के साथ सीरीज के अंत में सीमित ओवरों के कुछ मुकाबलों के बाद आपका शरीर कैसा महसूस करने वाला है। यह अभी से नहीं कहा जा सकता है। आईपीएल 2023 का आयोजन भारत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (फरवरी-मार्च) और इंग्लैंड में एशेज (जून-जुलाई) के बीच किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने पहले ही ग्रीन को अपने कार्यभार के प्रबंधन को लेकर बता दिया था। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के कारण पहले ही अगले साल के आईपीएल से बाहर हो गये हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशूहर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेटिंक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

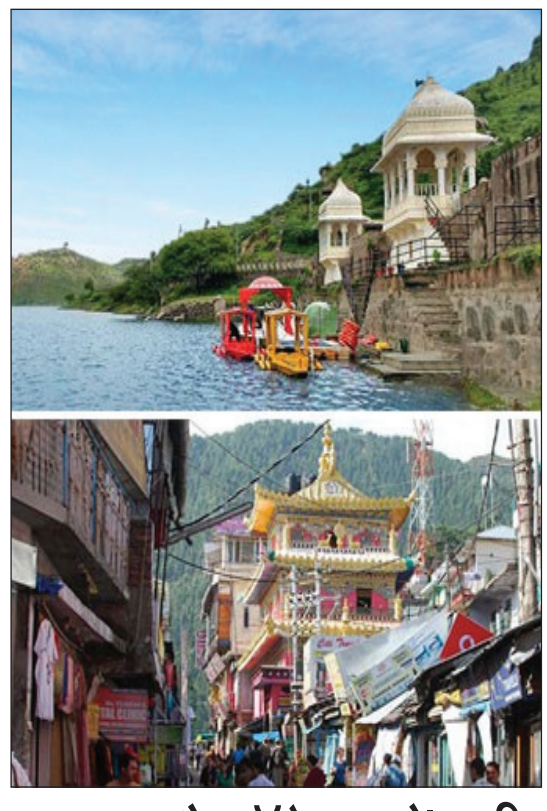

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

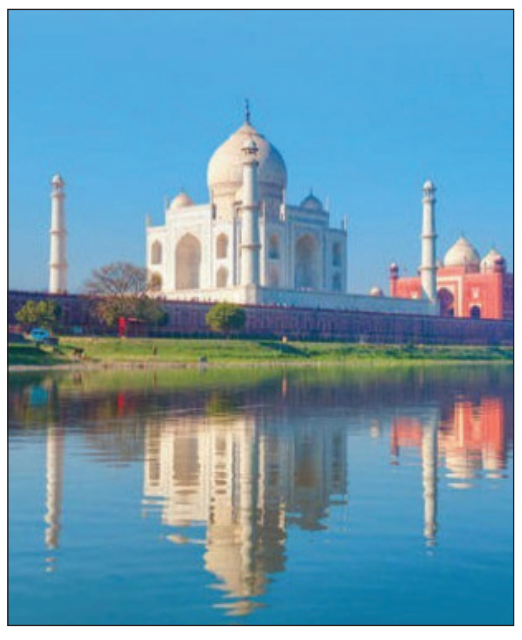

बांग्लादेश : 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों दी जाएगी कोविड वैक्सीन की चौथी डोज

ढाका। बांग्लादेश सरकार ने ऐलान किया है कि कोरोना वायरस बीमारी के खिलाफ लोगों की कमजोर होती रोग प्रतिरोग क्षमता को बढ़ावा देने के लिए 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी लोगों को कोविड-19 वैक्सीन की चौथी खुराक दी जाएगी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के वरिष्ठ अधिकारी अहमदुल कबीर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ऐलान किया कि कोरोना वैक्सीन का चौथा टीका 20 दिसंबर को ढाका के सात टीकाकरण केंद्रों में परीक्षण के आधार पर उपलब्ध होगा। अधिकारी के अनुसार, बांग्लादेश का टारगेट 20 मिलियन से अधिक लोगों को चौथा टीका शॉट प्रदान करना है। देश में अब तक 126 मिलियन से अधिक लोगों को कोविड-19 वैक्सीन की कम से कम दो खुराकें मिल चुकी हैं, जबकि 62 मिलियन से अधिक लोगों को बूस्टर डोज मिल चुकी हैं। रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश एस्ट्राजेनेका, सिनोफार्मा, मॉडर्ना, फाइजर, सिनोवैक और जॉनसन एंड जॉनसन द्वारा विकसित कोविड-19 वैक्सीन का उपयोग कर रहा है। बांग्लादेश ने कोरोना वायरस महामारी को रोकने के लिए पिछले साल जनवरी में टीकाकरण अभियान शुरू किया था।

पाकिस्तान लौटेंगे पीएम शहबाज शरीफ के बेटे सुलेमान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे सुलेमान शहबाज ने देश लौटने का फैसला किया है और बुधवार को इस्लामाबाद हाईकोर्ट (आईएचसी) से सुरक्षात्मक जमानत मांगी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, सुलेमान के वकील अमजद परवेज द्वारा दायर हाईकोर्ट की एक याचिका में उनके खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दो सप्ताह की सुरक्षात्मक जमानत मांगी गई थी। सुलेमान ने एक याचिका में कहा है कि वह एक कारोबारी हैं और कभी भी पब्लिक ऑफिस होल्डर नहीं रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उसके खिलाफ आधारहीन और मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा मामला दर्ज किया गया है। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया कि सभी शेयर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन ऑफ पाकिस्तान (एसईसीपी) के साथ रजिस्टर्ड हैं और उन्हें फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) से कभी नोटिस नहीं मिला है। याचिका में यह भी कहा गया कि मैं 2018 से यूनाइटेड किंगडम में रह रहा हूं। एफआईए ने उनकी अनुपस्थिति में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। दिसंबर 2021 में एजेंसी ने 16 बिलियन पीकेआर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनकी कथित संलिप्तता को लेकर शहबाज और हमजा के खिलाफ चालान पेश किया था। एफआईए की रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि शहबाज परिवार के 28 बेनामी अकाउंट थे, जिनका एक जांच टीम ने पता लगाया था। उन्होंने दावा किया कि इन अकाउंट के माध्यम से 2008 से 18 के दौरान 16.3 बिलियन पीकेआर की मनी लॉन्ड्रिंग की गई थी। एफआईए ने 17 हजार क्रेडिट लेनदेन के मनी ट्रेल की जांच की थी। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि रिपोर्ट में कहा गया था कि रुपयों को गोपनीय अकाउंट में रखा गया था। एफआईए ने आरोप लगाया था कि शहबाज द्वारा कम वेतन वाले कर्मचारियों के अकाउंटों से प्राप्त धन हुंडी के अवैध अभ्यास के माध्यम से पाकिस्तान के बाहर उनके परिवार को ट्रांसफर कर दिया गया था। बताया जाता है कि शरीफ परिवार के कम से कम 11 कम वेतन पाने वाले कर्मचारी इस कथित मनी लॉन्ड्रिंग को सुविधाजनक बनाने के दोषी थे।

स्पेन में दो ट्रेनों की टक्कर, 70 लोग घायल

बार्सिलोना। स्पेन मेंबुधवार को बार्सिलोना के करीब दो ट्रेनों के बीच टक्कर में कई दर्जन लोग घायल हो गए। स्पेनिश अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कातालूनिया की आपातकालीन सेवा की ओर से बताया गया कि प्राथमिक रिपोर्ट में 70 लोगों के घायल होने के संकेत मिले हैं। हालांकि, अधिकारियों की ओर से चोट की प्रकृति के बारे में अभी कोई ब्योरा नहीं दिया गया है। लेकिन स्थानीय मीडिया का कहना है कि किसी को कोई गंभीर चोट नहीं पहुंची है। अधिकारियों ने कहा कि बार्सिलोना के उत्तर में स्थित 'मोंटकाडा आई रीक्साक' में एक पटरी पर दोनों ट्रेन के बीच टक्कर हुई। मैड्रिड में कातालूनिया सरकार के प्रतिनिधि एस्टर कापेला ने स्पेनिश नेशनल रेडियो को बताया कि अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं।

चीन का खवेईचो-11 ठोस लॉन्च वाहन सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ

बीजिंग। 7 दिसंबर की सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर च्योछान उपग्रह लॉन्च केंद्र से चीन का खवेईचो-11 ठोस प्रक्षेपण यान को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया, और सफलतापूर्वक शींगयून यातायात वीडीईएस परीक्षण उपग्रह को पूर्व निर्धारित कक्षा में भेजा गया। यह लॉन्च मिशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ। खवेई चो-11 ठोस लॉन्च वाहन की मुख्य संरचना कार्बन फाइबर मिश्रित सामग्री से बनी है, और समग्र तकनीकी स्तर ठोस लॉन्च वाहन के अंतर्राष्ट्रीय उन्नत स्तर तक पहुंच गया है। इस प्रकार के लॉन्च वाहन में तेजी से लॉन्च करने की क्षमता होती है और यह विविध लॉन्च मिशनों के अनुकूल हो सकता है। यह खवेईचो ठोस लॉन्च वाहन की 23वीं उड़ान है।

आखिर क्यों शादी से दूर भाग रहे दक्षिण कोरियाई? 2050 में हर 5 में से 2 लोग रह जाएंगे अकेले

शादी के प्रति युवाओं के बदलते रवैये की वजह से दक्षिण कोरियाई लोगों की संख्या न्यूतनम स्तर पर आ गई है। वहीं दावा ये किया जा रहा है कि अकेले रहने वालों की संख्या 2050 में हर 5 में से 2 की हो जाएगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने कहा कि 2050 में अकेले रहने वाले दक्षिण कोरियाई लोगों का अनुपात दोगुना से अधिक होने की उम्मीद है। यह उन घरों की संरचना में बदलाव को दर्शाता है जो दुनिया की सबसे कम प्रजनन दर का इशारा कर रहे हैं। 2021 में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या लगभग 7.2 मिलियन या एक तिहाई परिवार थी, जो किसी भी बहु-संख्या वाले परिवार समूह से अधिक थी। सांख्यिकी कोरिया ने कहा कि अनुपात, जो 2000 में 15.5त्न था, सदी के मध्य तक ये लगभग 40त्न तक बढ़ जाएगा।

शादी व बच्चों से रहना चाहते हैं दूर

दक्षिण कोरियाई युवा खुद को डेटिंग, शादी और बच्चे पैदा करने से दूर रखना चाहते हैं। उन्हें मंद पड़ी अर्थव्यवस्था की वजह से अच्छी नौकरी नहीं मिल पा रही है। संख्या दर्शाती है कि परिवारों का श्रृंगार विकसित हो रहा है क्योंकि कोरियाई तेजी से विकसित देश में सामाजिक मानदंडों और आर्थिक स्थितियों दोनों का सामना करते हैं। दक्षिण कोरिया में अब यूके के समान एकल-व्यक्ति परिवारों का हिस्सा है, हालांकि यह अभी भी जापान या जर्मनी के स्तर से काफी नीचे है।

5 सला भी नहीं टिकी शादी

देश के 18.8 प्रतिशत जोड़ो की शादी 5 साल से भी कम टिकी है। इसके अलावा 17.6 फीसदी जोड़ों की शादी 30 साल और उससे अधिक समय तक टिकी। जबकि 17.1 फीसदी विवाहित जोड़े 5 से 9 साल तक के लिए साथ रहे। लगभग 25प्र. ने कहा कि उन्हें सही साथी नहीं मिला है या उन्हें शादी करने की आवश्यकता महसूस नहीं होती है। एकल-व्यक्ति परिवारों की बढ़ती संख्या देश की उम्र बढ़ने वाली जनसांख्यिकी पर और दबाव डालेगी।

मॉर्गन स्टेनली ने की लगभग 1,600 कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को। वैश्विक निवेश सलाहकार फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अपने वैश्विक कर्मचारियों के लगभग 2 प्रतिशत यानी लगभग 1,600 कर्मचारियों की कटौती की है। मीडिया ने यह जानकारी दी।सीएनबीसी ने सूत्रों का हवाला देते हुए पहली बार छंटनी की सूचना दी, मॉर्गन स्टेनली के सीईओ जेम्स गॉर्डन ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि कुछ लोगों को निकाला जा सकता है। कंपनी में लगभग 81,567 कर्मचारी हैं और छंटनी वैश्विक निवेश बैंक के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित करेगी। फिलहाल, मॉर्गन स्टेनली ने अभी तक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। मॉर्गन स्टेनली ने प्रतिद्वंद्वी गोल्डमैन सैक्स और सिटीग्रुप और बार्कलेज सहित अन्य निवेश फर्मों की तरह छटंनी को लेकर काफी विचार-विमर्श किया और फिर 1600 कर्मचारियों को निकाला।

ट्विटर के नए बॉस के निशाने पर आया ये मंच, कट्टर वामपंथी पूर्वाग्रह की वजह से खो रहा निष्पक्षता

लंदन। (एजेंसी)। वैसे तो एलन मस्क का नाम बिजनेस वर्ल्ड में बेहद ही चर्चा में रहता आया है, लेकिन इसके साथ ही वो कई सारे विवादों में भी अक्सर घिरे नजर आते हैं। कभी वो अपने प्रतिद्वंदी से भिड़ जाते हैं तो कभी अपने बयानों से लोगों को कन्फ्यूंजन में डाल देते हैं। टेस्ला सीईओ ने कई महीनों के चले नाटकीय घटनाक्रम के बाद आखिरकार नीली चिड़िया यानी ट्विटर पर अपना कब्जा जमा ही लिया। अब मस्क ने विकिपीडिया को निशाने पर लिया है। एलन मस्क ने विकिपीडिया का उसके कट्टर वामपंथी पूर्वाग्रह के लिए मज़ाक उड़ाया। एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि पृथ्वी के अधिकांश एमएसएम पक्षपाती है। विकिपीडिया इस दावे की पुष्टि करने के लिए एमएसएम स्रोत का हवाला दें। विकिपीडिया में एक गैर-तुच्छ वामपंथी पूर्वाग्रह है।

मस्क की प्रतिक्रिया यूट्यूबर इयान माइल्स च्योंग द्वारा बताए जाने के बाद आई कि विकिपीडिया पर %ट्विटर फाइल्स% पेज को हटाने के लिए चर्चा चल रही है। इयान ने कहा, ÷विकिपीडिया एलन मस्क की ट्विटर फाइलों के लिए प्रविष्टि को हटाने पर वोटिंग कर रहा है। जिसके पीछे की दलील दी गई है कि मीडिया ने इसे पर्याप्त कवरेज नहीं दिया। जिसके बाद मस्क की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। इससे पहले ही मस्क विकिपीडिया की आलोचना सार्वजनिक तौर पर की थी। ऑनलाइन विश्वकोश मंच विकिपीडिया द्वारा पेज की एडिटिंग को निलंबित करने के बाद, टेक अरबपति एलन मस्क ने सह-संस्थापक जिमी वेल्स को फटकार लगाते हुए कहा कि मंच अपनी निष्पक्षता खो रहा है।

मस्क हमेशा से ही फ्री स्पीच की वकालत करते आये हैं और इसके साथ ही वे वामपंथियों के खिलाफ खुलकर अपने विचार भी रखते हैं।ट्विटर खरीदने के बाद एलन मस्क ने खुले तौर पर यह कहा था कि यह प्लेटफॉर्म एक 'मजबूत वामपंथी पूर्वाग्रह' से ग्रसित है। कई विकी उपयोगकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि यह कहानी महत्वपूर्ण नहीं है या यह ÷कुछ नहीं÷ पर आधारित है, जिसकी समीक्षा करने के लिए कहा गया।

ट्रंप ने राष्ट्रपति रहते देवू से मिले 1.98 करोड़ डॉलर के कर्ज के बारे में नहीं किया खुलासा

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से यह खुलासा नहीं किया कि उन्हें उत्तर कोरिया से जुड़ी कंपनी देवू से 19.8 मिलियन डॉलर का कर्ज मिला था, जिसे उन्हें अपने सार्वजनिक वित्तीय खुलासों में बताना चाहिए था। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि देवू से लिया गए ऋण से हितों के टकराव की संभावना थी। एक नई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप उत्तर कोरिया से ऐतिहासिक संबंधों वाली एक कंपनी से 19.8 मिलियन डॉलर के ऋण का खुलासा करने में विफल रहे, जबकि वह अमेरिकी राष्ट्रपति थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल द्वारा प्राप्त दस्तावेज और फोर्ब्स द्वारा रविवार को जारी रिपोर्ट में दक्षिण कोरियाई समूह देवू को ट्रंप द्वारा ऋण लिए जाने का संकेत दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देवू एकमात्र दक्षिण कोरियाई कंपनी थी, जिसे 1990 के दशक के मध्य में उत्तर कोरिया में व्यवसाय संचालित करने की अनुमति दी गई थी। देवू के साथ ट्रंप के रिश्ते कम से कम 25 साल पुराने हैं। देवू ने ट्रंप वर्ल्ड टॉवर, न्यूयॉर्क शहर में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के पास एक विकास परियोजना पर ट्रंप के साथ भागीदारी की थी। व्यापार पत्रिका फोर्ब्स की एक जांच से पता चला कि ट्रंप और देवू ने एक साथ व्यापार करना जारी रखा, जिसमें 1999 से 2007 तक दक्षिण कोरिया स्थित छह संपत्तियों पर ट्रंप के नाम का उपयोग करना शामिल था। ऋण उस समझौते का परिणाम है, जिसे ट्रंप ने देवू के साथ अपनी कुछ लाइसेंस फीस साझा करने के लिए किया था। 19.8 मिलियन डॉलर शेष राशि 2011 से 2016 तक समान रही। 30 जून, 2017 तक ट्रंप के वित्त को प्रदर्शित करने वाले कागजी कार्रवाई के अनुसार, 2016 में राष्ट्रपति के रूप में उनके चुनाव के पांच महीने बाद भी, शेष राशि घटकर केवल 4.3 मिलियन डॉलर रह गई। दस्तावेजों में कहा गया है, 5 जुलाई, 2017 को देवू को उसकी स्थिति से बाहर कर दिया गया था। ऋण ट्रंप संगठन के आंतरिक दस्तावेजों पर दिखाई देता है, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति की सार्वजनिक वित्तीय प्रकटीकरण रिपोर्ट पर इसका खुलासा नहीं किया गया था।

फोर्ब्स की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं में निर्मला सीतारमण और हैरिस ने बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने फोर्ब्स की शक्तिशाली महिलाओं की 19वीं वार्षिक लिस्ट में जगह बनाई है। फोर्ब्स ने साल 2022 में %दुनिया की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं% की लिस्ट मंगलवार को जारी की है। जिसमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 36 वें स्थान पर हैं। जबकि हैरिस तीसरे स्थान पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह लगातार चौथा वर्ष है जब निर्मला सीतारमण ने सूची में जगह बनाई है। पिछले साल वह 37, 2020 में 41 और 2019 में 34वें स्थान पर थीं। साल 2021 में कमला हैरिस अमेरिका की उपराष्ट्रपति बनने वाली पहली महिला अश्वेत और पहली दक्षिण एशियाई-अमेरिकी बनीं। कैलिफोर्निया की मूल निवासी कमला हैरिस का जन्म ओकलैंड में हुआ था। उनकी मां भारतीय और पिता जमैका से थे। रिपोर्ट के अनुसार, कमला हैरिस के अलावा ग्लोबल टीवी की प्रमुख बेला बजारिया सूची में एक अन्य भारतीय-अमेरिकी हैं जो 71वें स्थान पर हैं। लंदन में जन्मी बजरिया को 2022 में टाइम की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में नामित किया गया था। वहीं मई 2019 में सीतारमण को भारत की पहली महिला वित्त मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। फोर्ब्स की लिस्ट में सीतारमण के अलावा अन्य भारतीयों में एचसीएल कॉर्पोरेशन की सीईओ और सबसे कम उम्र की भारतीय महिला रोशनी नादर मल्होत्रा भी शामिल हैं। लिस्ट में बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की पहली महिला अध्यक्ष माधवी पुरी बुच, स्टील अथॉरिटी की अध्यक्षता करने वाली पहली महिला सोमा मोंडल और नायका की संस्थापक फाल्गुनी नायर शामिल हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी बिजनेस मैगजीन हर साल दुनिया की 100 ताकतवर महिलाओं की लिस्ट जारी करती है। इस साल की लिस्ट में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को लिस्ट में सबसे ऊपर रखा गया है।

जनवरी में पाकिस्तान लौटेंगे नवाज शरीफ, आगामी आम चुनावों में संभालेंगे पार्टी की बागडोर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ अगले महीने लंदन से स्वदेश लौटेंगे जहां वह पिछले तीन साल से रह रहे हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी।

72 वर्षीय पाक के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ तीन बार के प्रीमियर नवंबर 2019 में लंदन के लिए रवाना हुए थे, जब लाहौर उच्च न्यायालय ने उन्हें चार सप्ताह की अनुमति देकर उन्हें अपने इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दी थी। लेकिन वह कभी पाकिस्तान वापस नहीं आए जहां उन्हें भ्रष्टाचार के लिए दोषी ठहराया गया और जेल भेजा गया।

उनकी पार्टी उनके बिना दबाव में है और पीएमएल-एन के नेताओं से उनके नेता की वापसी के बारे में अक्सर पूछा जाता है। आर्थिक मामलों के मंत्री अयाज सादिक से मंगलवार रात जियो टीवी टॉक शो के दौरान पूछा गया कि शरीफ कब वापस आएंगे और उन्होंने कहा कि पार्टी उनकी घर वापसी की प्रतीक्षा कर रही है। सादिक ने कहा, ÷उनके (शरीफ) जनवरी (2023) में वापस आने की उम्मीद है।÷ उन्होंने कहा कि वह अगले आम चुनावों के लिए उम्मीदवारों को टिकट भी आवंटित करेंगे।

मंत्री ने यह भी कहा कि देश में अगला चुनाव अगस्त 2023 के बाद होगा क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं की अगले साल मार्च तक आम चुनाव कराने की मांग को खारिज कर दिया। शरीफ को 2018 में एक जवाबदेही अदालत ने दोषी ठहराया था जिसने उन्हें अल-अजीजिया स्टील मिल्स मामले में सात साल की जेल की सजा सुनाई थी, जबकि उन्हें कुल 11 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी और एवेनफील्ड संपत्ति मामले में 8 मिलियन पाउंड का जुर्माना लगाया था। इसके बाद, 2019 में, लाहौर उच्च न्यायालय ने उनकी सजा को निलंबित करने के बाद, उन्हें चिकित्सा के लिए विदेश जाने की अनुमति दी। 'पंजाब के शेर' के रूप में जाने जाने वाले शरीफ राजनीतिक रूप से अस्थिर पाकिस्तान में रिकॉर्ड तीन बार प्रधानमंत्री बने। उन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक देश के सबसे शक्तिशाली राजनीतिक परिवार और सत्तारूढ़ पीएमएल-एन पार्टी का नेतृत्व किया।

भारत कई धर्मों के लोगों का घर है, सभी की धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने को प्रोत्साहित करते रहेंगे: अमेरिका

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत कई धर्मों के लोगों का घर है और वह सभी की धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए भारत को अपनी प्रतिबद्धताओं पर कायम रहने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा। अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता की वर्तमान स्थिति के लिए चीन, पाकिस्तान और म्यांमा सहित 12 देशों को ''विशेष चिंताजनक देश'' घोषित किया है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि दुनिया भर में सरकारें और गैर-सरकारी ताकतें लोगों को उनके धर्म के आधार पर परेशान करती हैं, धमकाती हैं, जेल भेजती हैं और यहां तक कि कई बार उनकी हत्या भी की जाती है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने पत्रकारों से कहा, '' यकीनन भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। वहां कई धर्म के लोग एकसाथ रहते हैं। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट में सामने आई कुछ चिंताओं पर हमने भारत के संदर्भ में संज्ञान लिया। हम सभी देशों में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर करीब से नजर रखना जारी रखेंगे और इसमें भारत भी शामिल है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन भारत सरकार को सभी की धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की उसकी प्रतिबद्धताओं पर कायम रहने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा।

2022 चीन-अरब मीडिया सहयोग मंच सऊदी अरब में आयोजित

बीजिंग (एजेंसी)। स्थानीय समय के अनुसार, 5 दिसंबर को 2022 चीन-अरब मीडिया सहयोग मंच सऊदी अरब की राजधानी रियाद में आयोजित हुआ। चाइना मीडिया ग्रुप और सऊदी अरब सूचना मंत्रालय ने इस मंच का आयोजन किया। वर्तमान मंच का प्रमुख मुद्दा है- ÷चीन-अरब भाग्य समुदाय के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए आदान-प्रदान और आपसी सीख को मजबूत करें÷। चीन और 22 अरब देशों के सरकारी अधिकारियों, मीडिया संगठनों के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और विद्वानों सहित 150 से अधिक अतिथियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीकों से मंच में भाग लिया।

सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री और कार्यवाहक सूचना मंत्री माजिद कासबी ने वीडियो भाषण देते हुए कहा कि अरब देश चीन को विभिन्न क्षेत्रों में सामान्य विकास हासिल करने के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में मानते हैं, और उम्मीद करते हैं कि दोनों पक्ष इस मंच के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करेंगे, लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देंगे और विभिन्न क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देंगे। उन्हें उम्मीद है कि अरब और चीनी मीडिया इस मंच के परिणामों को सक्रिय रूप से लागू करेंगे, अरब-चीन के बीच सहयोग में लगातार मदद करेंगे। चाइना मीडिया ग्रुप के निदेशक शेन हाईश्योंग ने वीडियो भाषण देते हुए कहा कि चाइना मीडिया ग्रुप इस मंच के अवसर पर अरब देशों में समाज के सभी क्षेत्रों के साथ आदान-प्रदान और संवाद को गहरा करेगा, व्यावहारिक सहयोग को मजबूत करेगा, वैश्विक विकास पहलों और वैश्विक सुरक्षा पहलों को सक्रिय रूप से लागू करेगा और संयुक्त रूप से चीन-अरब रणनीतिक साझेदारी को उच्च स्तर तक पहुँचने में मदद करेगा, ताकि नए युग में चीन-अरब भाग्य समुदाय के निर्माण को बढ़ावा देने में योगदान दिया जा सके।

वापस आ जाना, साथ मिलकर दिवाली मनाएंगे, यूक्रेन के विदेश मंत्री का भारतीय छात्रों को भावुक कर देने वाला संदेश

कीव (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच भारतीय छात्रों के लिए कीव से एक संदेश आया है। यूक्रेन भारतीय छात्रों को फिर से वापस बुला रहा है। वहां के विदेश मंत्री दिमीत्री कुलेबा ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से भारतीय छात्रों के साथ दिवाली मनाने की इच्छा जाहिर की है। युद्धग्रस्त यूक्रेन के विदेश मंत्री ने भारतीय छात्रों के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश जारी किया है। बता दें कि भारतीय छात्रों कोरूसी आक्रमण के बाद पूर्वी यूरोपीय देश से आनन-फानन में रवाना होना पड़ा था। एनडीटीवी को दिए एक विशेष साक्षात्कार के दौरान भारतीय छात्रों को संबोधित करते हुए दमित्रो कुलेबा ने कहा, 'यूक्रेन के जीतने पर वापस आना।

कुलेबा ने भारतीय छात्रों से अपील की है कि जब यूक्रेन जीतेगा, वापस आ जाना। आप हमेशा से हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। हम आपके साथ मिलकर दिवाली मनाएंगे। यूक्रेन में दिवाली मनाना एक स्थानीय परंपरा बन चुकी है। इसलिए जब हम जीतें वापस आ जाना। तब तक यूक्रेन की जीत के लिए प्रार्थना करें और जिस तरह संभव हो यूक्रेन की मदद करें। निजी टीवी चैनल कोदिए भावुक कर देने वाले इस संदेश यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्रि कुलेबा के हैं।

गौरतलब है कि जंग की शुरुआत होते ही यूक्रेन में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को वापस बुला लिया गया था। इस साल फरवरी में रूस के देश पर आक्रमण करने के बाद हजारों भारतीय छात्रों को यूक्रेन से भागना पड़ा, जिनमें से अधिकांश मेडिकल कोर्स कर रहे थे। कुछ अनुमानों के मुताबिक, यूक्रेन में मेडिकल कोर्स कर रहे लगभग 18,000 छात्र युद्ध छिड़ने के बाद वापस लौट आए।

अमेरिका ने ताइवान को दो नए महत्वपूर्ण हथियारों की बिक्री की मंजूरी दी, चीन हो सकता है नाराज

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने ताइवान को दो नए महत्वपूर्ण हथियारों की बिक्री की मंगलवार को मंजूरी दे दी। इस कदम से चीन के नाराज होने की पूरी संभावना है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, ताइवान के एफ-16 लड़ाकू विमानों के बेड़े, जी-130 परिवहन विमानों और अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए जाने वाली अन्य हथियार प्रणालियों का समर्थन करने के लिए 42.5 करोड़ डॉलर से अधिक के अतिरिक्त विमान पुर्जों की बिक्री को मंजूरी दे दी गई है। इंडोनेशिया में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई आमने-सामने की मुलाकात के महज दो सप्ताह बाद ही यह घोषणा की गई है।

हर छोटी बात पर जनरल बाजवा को बुलाते थे इमरान : सहयोगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व सेनाध्यक्ष कमर जावेद बाजवा के एक करीबी सहयोगी ने खुलासा किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान उन्हें हर छोटी से छोटी बात के लिए बुलाते थे और यहां तक कि उन्हें 'बॉस' भी कहते थे। समा टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, सहयोगी ने बताया कि खान ने हर राजनीतिक मामले में जनरल बाजवा के कार्यालय से मदद मांगी। सहयोगी ने कहा कि सत्ता में आने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री को सबसे अच्छा विकल्प माना गया था। समा टीवी ने बताया कि लेकिन यह पता चला कि वह एक योग्य टीम बनाने में विफल रहे और न ही वह राज्य के मामलों को हल करने के लिए आवश्यक संसाधनों को आकर्षित कर सके। करीबी सहयोगी ने आगे खुलासा किया कि जब खान ने उस्मान बुजदार को पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त किया, तो पूर्व सीओएएस ने सोचा कि यह देश के सबसे अधिक आबादी वाले प्रांत के संवेदनशील मामलों से कैसे निपटेंगे। यहां तक कि पीटीआई नेताओं ने भी खान से अनुरोध किया था कि मुख्यमंत्री का पोर्टफोलियो किसी और सक्षम व्यक्ति को सौंपा जाए। समा टीवी ने सूचना दी कि अंतर्राष्ट्रीय नेताओं के साथ बैठकों के दौरान, खान अपनी भव्यता का गुणगान करते थे और भूल जाते थे कि वह पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सूत्र ने खुलासा किया, 'सशस्त्र बलों ने मार्च 2021 में इमरान खान से कहा था कि उन्हें अब बलों से समर्थन नहीं मिलेगा।' जब खान ने लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को देश की शक्तिशाली इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) की हॉट सीट से दूर करने में देरी की, तो इसने सशस्त्र बलों और पूर्व पीएम के बीच संघर्ष को और बढ़ा दिया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो नवाज शरीफ के बारे में बात करते हुए सहयोगी ने आगे खुलासा किया कि वह अदालत में मामलों का सामना कर रहे थे और इसमें सेना की कोई भूमिका नहीं थी। इसके अलावा जनरल बाजवा पिछले चार साल से नवाज से नहीं मिले।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Save The Tiger वाले प्रयासों के बीच मध्य प्रदेश के पन्ना में दिखा क्रूर नजारा, बाघ को फांसी पर चढ़ाया

भोपल। मध्य प्रदेश के पन्ना के जंगल में एक भयानक घटना घटी है। टाइगर रिजर्व में एक बाघ का शव फंदे से लटका मिला है। इस घटना की जानकारी लगते ही वन अधिकारियों लगते ही पूरी टीम सकते में आ गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची लेकिन सामने का नजारा देख सन्न रह गई। क्रूर शिकारियों ने बाघ को मारकर पेड़ से लटका दिया। कहा जा रहा है कि देश में किसी बाघ को फांसी लगाकर मारने की यह पहली घटना होगी। वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और जांच शुरू कर दी है। एसटीएफ की टाइगर टीम और वरिष्ठ अधिकारी भी वहां पहुंच गए हैं। यह घटना की गंभीरता और गंभीरता को दर्शाता है। 2009 में, पन्ना जंगल से बाघ गायब हो गए। बाघों को पुनर्जीवित करने के लिए वहां बाघ पुनर्वास अभियान चलाया गया। यह दुनिया का पहला सफल मिशन था। इसको लेकर हड़कंप मच गया है। पिछले 13 सालों में पन्ना में बाघों की संख्या बढ़कर 70 हो गई है। इस बाघ को किसने लटकाया यह सवाल अधिकारियों को परेशान कर रहा है। उत्तर वन प्रमंडल के पन्ना रेंज के अंतर्गत विक्रमपुर के तिलगावा बीट में बाघ का शव फंदे पर लटका मिला। विक्रमपुर नर्सरी के पास इस बाघ का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। दो साल के नर बाघ की मौत चिंता का विषय है। बाघ के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया है। इससे पन्ना के पूरे अभियान और उसके लिए किए जा रहे प्रयासों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। पन्ना में 2009 में बाघ पूरी तरह से खत्म हो गए थे। बाघों की दुनिया को फिर आबाद करने के लिए टाइगर रिलोकेशन प्रोग्राम चलाया गया और दुनिया का सबसे सफल टाइगर रीलोकेशन प्रोग्राम रहा। पन्ना में बाघों की संख्या बढ़कर 70 से अधिक हो गई है, पर अब बाघ मरने लगे हैं।

लश्कर के आतंकी को ढेर करने वाली कश्मीरी लड़की रुखसाना कौसर पर बनेगी फिल्म

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में रुखसाना कौसर ने 13 साल पहले जिस तरह जांबाजी दिखाते हुए आतंकवादियों से टक्कर ली थी उसकी मिसालें आज भी दी जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने संबोधन में रुखसाना की बहादुरी का जिक्र कर चुके हैं। अब हिंदी फिल्म उद्योग भी रुखसाना की कहानी को बड़े पर्दे पर दिखाना चाहता है। फिल्म निर्माता अशोक चौहान और निर्देशक आसिफ अली की फिल्म में अभिनेत्री श्रद्धा कपूर रुखसाना का किरदार निभाने जा रही हैं। हम आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के अंतर्गत आने वाले कलसियां गांव की बहादुर लड़की रुखसाना कौसर ने 27 सितंबर 2009 की रात को अपने घर में घुसे लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया था और एक अन्य आतंकी को घायल कर दिया था। रुखसाना और उसके भाई बहनों ने मिलकर आतंकवादियों से जमकर टक्कर ली थी। रुखसाना ने एक आतंकवादी को कुल्हाड़ी से मार डाला था तो दूसरे की राइफल छीनकर उसे घायल कर दिया था। इस संघर्ष के दौरान रुखसाना के माता-पिता राशिदा और नूर हुसैन घायल हो गए थे। खास बात यह थी कि 27 सितंबर की इस घटना से पहले रुखसाना ने कभी भी हाथ में बंदूक नहीं पकड़ी थी, लेकिन उस दिन उसने बहादुरी की मिसाल कायम की। भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल तथा तत्कालीन गृहमंत्री पी चिदंबरम ने भी रुखसाना की बहादुरी की तारीफ की थी।

10 लोगों को जिंदा जलाने की वारदात का साजिशकर्ता गिरफ्तार

रांची। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले बगटुई में आगजनी कर 10 लोगों को जिंदा जलाने की वारदात के मुख्य साजिशकर्ता जहांगीर शेख को सीबीआई ने झारखंड के पाकुड़ से गिरफ्तार किया है। सीबीआई के आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार यह जानकारी दी। जहांगीर शेख तृणमूल नेता रहे भादू शेख का भाई है, जिसकी हत्या के बाद 10 लोग जिंदा जलाए गए थे। इसके पहले इस नरसंहार के मुख्य आरोपी लालन शेख को भी बीते 3 दिसंबर को पाकुड़ जिले से ही गिरफ्तार किया गया था। जहांगीर शेख को सीबीआई ने बुधवार को रामपुरहाट महकमा अदालत में पेश किया। इसके बाद उसे पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की तैयारी चल रही है। सीबीआई इस नरसंहार के मुख्य आरोपी लालन शेख को पहले ही रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। बताया गया कि यह लालन शेख और जहांगीर शेख ही थे, जिन्होंने बीते मार्च महीने में तृणमूल नेता भादू शेख की हत्या के बाद आगजनी और नरसंहार की साजिश रची थी। इन्हीं दोनों की अगुवाई में 70 से 80 लोगों ने कई घरों में आग लगा दी थी, जिसमें दो बच्चों और तीन महिलाओं सहित 10 लोगों की मौत हो गई थी। कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने एसीबी से मामले की जांच अपने हाथ में ली थी। बताया जा रहा है कि लालन शेख पाकुड़ के नरोत्तमपुर गांव में अपने रिश्तेदार के यहां करीब आठ महीने से रह रहा था। जहांगीर शेख ने भी इसी गांव के पास पनाह ले रखी थी। सीबीआइ तकनीक का सहारा लेकर इन दोनों तक पहुंचने में कामयाब रही।

ईडी ने पीएमएलए के तहत 200 करोड़ से अधिक की संपत्ति की कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत 201,60,45,956 रुपये की अचल संपत्तियों के रूप में हरियाणा स्थित शोभा लिमिटेड के अपराध की आय (पीओसी) को अटैच किया है। इस कुर्की के साथ, कुल अनुमानित पीओसी 311 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह मामला हरियाणा पुलिस द्वारा शोभा लिमिटेड और अन्य के खिलाफ डीटीसीपी (नगर एवं ग्राम नियोजन निदेशालय), हरियाणा द्वारा निर्धारित नियमों के उल्लंघन और गुरुग्राम में शोभा इंटरनेशनल सिटी नो प्रॉफिट नो लॉस (एनपीएनएल) कैटेगिरी के प्लॉट्स को अत्यधिक बाजार मूल्य पर बेचने और आम जनता को धोखा देने के लिए दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू किया गया था। हरियाणा पुलिस ने अपराध के लिए शोभा लिमिटेड और अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर पर कार्रवाई करते हुए, ईडी ने अपनी जांच शुरू की और पता चला कि शोभा लिमिटेड के प्रबंधन ने एनपीएनएल योजना के इरादे को विफल करने के लिए एक पूर्व निर्धारित योजना का उल्लंघन किया था और पूर्वनिर्धारित तरीके से प्लॉट्स अपने कर्मचारियों को आवंटित किए गए थे और बाद में आम जनता को विला के रूप में अत्यधिक कीमतों पर बेच दिया गया। ईडी ने कहा, शोभा लिमिटेड ने पूर्व नियोजित तरीके से 59 एलएलपी जारी किए और अपने कर्मचारियों को नामित भागीदार बनाया। इन 59 एलएलपी को अप्रत्यक्ष रूप से 29 करोड़ रुपये का फंड ट्रांसफर किया, ताकि वे योजना के तहत निर्धारित 48 लाख रुपये की कीमत पर 59 प्लॉट खरीद सकें। इसमें कहा गया है कि प्लॉट्स की बिक्री के तुरंत बाद, एलएलपी ने इनको यूनुमिया डेवलपर्स एलएलपी (शोभा लिमिटेड के सीधे नियंत्रण में एक इकाई) को ट्रांसफर कर दिया, जिसमें समान नामित भागीदार थे। इन एलएलपी ने बदले में आम जनता को भूखंड बेचे और 201 करोड़ रुपये की आय (पीओसी) उत्पन्न की। इससे पहले इस मामले में ईडी ने 2019 में शोभा लिमिटेड और उसके प्रबंधन के 17 परिसरों की तलाशी ली थी। दो व्यक्तियों, अशोक सोलोमन और प्रकाश गुरबक्सानी को ईडी ने गिरफ्तार किया था और उनके खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की गई थी। इसका संज्ञान न्यायालय द्वारा पहले ही लिया जा चुका है। मामले में जांच जारी है।

पूर्वी नागालैंड को अलग राज्य बनाने की मांग क्यों कर रहा ये संगठन, अमित शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली। ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर 卐फ्रंटियर नागालैंड卐 के लिए अलग राज्य का दर्जा मांगा। सात आदिवासी निकायों का एक छत्र संगठन ईएनपीओ सात ने अपने बयान में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने पूर्वी नागालैंड के लोगों की अब तक राष्ट्र-निर्माण बल का हिस्सा बनने के लिए सराहना की है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जानते हैं।

भारत वैश्विक मुद्दों पर जी-20 देशों के बीच सहमति बनाने का प्रयास करेगा: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता के दौरान कई वैश्विक मुद्दों पर जी-20 देशों के बीच आम सहमति बनाने का प्रयास करेगा क्योंकि यह बैठक ''भू-राजनीतिक संकट, खाद्य और ऊर्जा असुरक्षा और टिकाऊ विकास लक्ष्य की गति'' के व्यापक संदर्भ में आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत इस अवसर का उपयोग देश के ''थ्री डी'' यानी डेमोक्रेसी, डेवलपमेंट और डायवर्सिटी (लोकतंत्र, विकास और विविधता) को रेखांकित करने के लिए करेगा।

जयशंकर ने राज्यसभा में ''भारत की विदेश नीति में नवीनतम घटनाक्रमों'' विषय पर एक बयान देते हुए कहा कि सरकार जी-20 के सभी सदस्यों से भारत की अध्यक्षता में होने वाले इस आयोजन की सफलता के लिए समर्थन और सहयोग भी मांग रही है। उन्होंने कहा कि जी-20 बैठकों काआयोजन भारत की मेजबानी में होने वाले ''शीर्ष अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में से एक'' होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि जी-20 से जुड़ी बैठकें भारत में पहले ही शुरू हो चुकी हैं और देश भर में विभिन्न स्थानों पर 32 विभिन्न क्षेत्रों की ऐसी 200 बैठकों का आयोजन किया जाएगा।

जयशंकर ने कहा कि जी-20 की बैठक ''भू-राजनीतिक संकट, खाद्य और ऊर्जा असुरक्षा और टिकाऊ विकास लक्ष्य की गति और कर्ज के बढते बोझ'' के व्यापक संदर्भ में आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास जी-20 के भीतर आम सहमति बनाना और विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के मुद्दों को आकार देना और साथ ही इस एजेंडे को आगे बढ़ाना है।'' यह समूह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 85 प्रतिशत, विश्वव्यापी व्यापार के 75 प्रतिशत और वैश्विक आबादी के दो तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि भारत को ''आजादी के अमृत महोत्सव'' में जी-20 की अध्यक्षता मिलना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। हाल ही में इंडोनेशिया के बाली में संपन्न जी-20 की बैठक में भारत ने पूरा समर्थन व सहयोग सुनिश्चित किया था। जयशंकर ने कहा कि ध्रुवीकरण वाले माहौल में सदस्यों के बीच एक साझा आधार खोजने में भारत के योगदान की व्यापक रूप से सराहना की गई। उन्होंने कहा, ''चूंकि हम जिम्मेदारी (जी-20 की अध्यक्षता) संभाल रहे हैं, इसलिए यह भारत की अध्यक्षता की सफलता के लिए सभी जी 20 सदस्यों का समर्थन और सहयोग मांगने का भी समय है।''

इसके अलावा, उन्होंने उच्च सदन में यह भी बताया कि भारत ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी को अगले साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा, ''जहां तक गणतंत्र दिवस समारोह का सवाल है, हमने

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है और उन्होंने विनम्रतापूर्वक निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।'' इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि काशी को 2022-23 के लिए पहली एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) सांस्कृतिक और पर्यटन राजधानी के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने कहा, ''इससे हमारी सदियों पुरानी ज्ञान विरासत और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने में मदद मिलेगी।

केंद्र और आरबीआई को प्रासंगिक रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश, नोटबंदी को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में 500, 1000 रुपये के नोटों के विमुद्रीकरण को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बैच में फैसला सुरक्षित रख लिया है। नोटबंदी के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने वाले सुप्रीम कोर्ट के जजों ने यह राय जाहिर करते हुए कई अहम टिपप्णी की है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने कहा, ÷हम चुपचाप नहीं बैठेंगे और इसे लागू करने के तरीके को देखेंगे क्योंकि यह एक आर्थिक निर्णय है।÷जस्टिस एस अब्दुल नज़ीर, बीआर गवई, एएस बोपन्ना, वी रामासुब्रमण्यम और बीवी नागरत्ना की संविधान पीठ ने 58 याचिकाओं के एक बैच में दलीलें सुनीं। पीठ ने पक्षकारों को 10 दिसंबर तक लिखित दलील देने की अनुमति दी।

कोर्ट ने केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक

से संबंधित रिकॉर्ड पेश करने को भी कहा। भारत के अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि दस्तावेजों को सीलबंद लिफाफे में पेश किया जाएगा। सुनवाई के दौरान, बेंच ने कहा था कि वह सिर्फ इसलिए हाथ जोड़कर नहीं बैठेगी क्योंकि यह एक आर्थिक नीति का फैसला है और कहा कि वह उस तरीके की जांच कर सकती है जिसमें फैसला लिया गया था। सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार ने 2016 में लिए अपने नोटबंदी के फैसले का बचाव किया है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि 2016 की नोटबंदी एक ÷सुविचारित÷ फैसला था और ये आतंकके वित्तपोषण, काले धन और कर चोरी के खतरे से निपटने के लिए एक बड़ी रणनीति का हिस्सा था।

बता दें कि 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने 500 और 1,000 रुपये के नोटों को बंद करने के केंद्र सरकार के 2016 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया था। शीर्ष अदालत ने केंद्र और भारतीय रिजर्व बैंक से विस्तृत हलफनामा दाखिल करने को कहा था। संविधान पीठ में जस्टिस एस अब्दुल नजीर, बीआर गवई, एएस बोपन्ना, वी रामसुब्रमण्यम और बीवी नागरत्ना शामिल हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अफ्रीकियों के निर्वासन की मांग वाली जनहित याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) को नस्लवादी करार देते हुए खारिज कर दिया, जिसमें अफ्रीका के सभी लोगों के पासपोर्ट के साथ-साथ शहर में रहने वाले बांग्लादेशियों के पुलिस वेरिफिकेशन की मांग की गई थी, उन पर ड्रग पेडलर होने का आरोप लगाया गया था। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की खंडपीठ ने कहा कि इन सभी लोगों के पास वैध पासपोर्ट हैं। इसमें कहा गया है, आपके द्वारा कोई रिसर्च नहीं किया गया है। इसका आधार क्या है? इन टिप्पणियों को नस्लवादी कहा जा सकता है। क्षमा करें, इसमें कुछ भी नहीं है। अधिवक्ता सुशील कुमार जैन द्वारा दायर जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि शहर में अधिकांश अफ्रीकी ड्रग पेडलर के कारोबार में हैं और यह युवाओं और उनके भविष्य को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि ऐसे विदेशी नागरिक सीधे तौर पर देश के सामाजिक और आर्थिक ढांचे को बिगाड़ रहे हैं। उन्होंने दलील में कहा कि ये विदेशी छात्र या मेडिकल वीजा लेते हैं और ड्रग्स की तस्करी, मानव तस्करी और साइबर धोखाधड़ी जैसे अवैध काम करते हैं। याचिका में कहा गया, छात्र वीजा और मेडिकल वीजा लेने वाले कई विदेशी अवैध कार्यों, नशीली दवाओं की तस्करी, मानव तस्करी और साइबर धोखाधड़ी जैसे अपराध में शामिल होते हैं। वेश्यावृत्ति के कारण दिल्ली में एड्स और कई अन्य यौन संचारित रोगों के प्रसार में सहायक (एसआईसी) रहा है। जैन ने आरोप लगाया कि अफ्रीकी लोग और बांग्लादेशी अपने जमींदारों द्वारा उचित वेरिफिकेशन किए बिना यहां किरायेदारों के रूप में रह रहे हैं। याचिका में कहा गया, वे सभी दिल्ली में किरायेदारों के रूप में रह रहे हैं और उनके जमींदार उनके माध्यम से आसान तरीकों से मौद्रिक लाभ प्राप्त करने के लिए उनके उचित सत्यापन के बिना उन्हें आवास दे रहे हैं.. मकान मालिकों की यह आदत (बिना सत्यापन के विदेशियों को अवैध आश्रय प्रदान करना) आतंकवादियों के मंसूबों को आसान बनाने का काम करते हैं। जिससे आतंकी दिल्ली और पूरे देश में अपनी नापाक योजना में सफलता प्राप्त करते हैं।

ओम बिरला ने कहा आजादी के अमृतकाल में जी20 की अध्यक्षता का वैश्विक दायित्व मिलना गर्व का विषय

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत के जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता ग्रहण करने एवं 2023 में शिखर सम्मेलन के भारत में प्रस्तावित आयोजन को देश के राजनयिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय बताया। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इससे देश समृद्ध बहुरंगी सांस्कृतिक विरासत और जीवंत लोकतंत्र की शक्ति को विश्व के समक्ष प्रस्तुत कर सकेगा। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे निचले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर अध्यक्ष ने भारत के जी-20 समूह का अध्यक्ष बनने पर सरकार और देशवासियों को सदन की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा, '' आजादी के अमृत महोत्सव काल में यह महत्वपूर्ण वैश्विक दायित्व मिलना गर्व का विषय है।'' बिरला ने कहा कि 2023 में जी-20 के राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन भारत में होगा, साथ ही जी-20 देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारियों (पी20) का भी सम्मेलन होगा। उन्होंने कहा, '' यह सम्मेलन भारत के राजनयिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय होगा।'' लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सम्मेलन का विषय ''एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'' हमारी ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की आस्था के अनुरूप है।

उच्च न्यायालय ने कहा खुले मैनहोल के चलते अगर कोई अप्रिय घटना होती है तो बीएमसी जिम्मेदार होगी

मुंबई। (एजेंसी)। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा खुले मैनहोल को ढंकने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करता है, फिर भी अगर इसके कारण कोई अप्रिय घटना होती है तो इसके लिए बीएमसी जिम्मेदार होगी। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति अभय आहुजा की पीठ ने कहा कि वह समूचे शहर में खुले मैनहोल के मुद्दे को लेकर चिंतित है और इस मुद्दे पर बीएमसी से स्थायी समाधान करने को कहा। पीठ समूचे महाराष्ट्र में सड़कों के गड्ढों और खुले मैनहोल की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता जताने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

बीएमसी के वकील अनिल सुखो ने बुधवार को अदालत को बताया कि बीएमसी युद्ध स्तर पर खुले मैनहोल के मुद्दे को सुलझाने का प्रयास कर रही है और ऐसे सभी खुले मैनहोल को बंद करने का कार्य जारी है। पीठ ने कहा कि बीएमसी का कार्य सराहनीय है लेकिन फिर भी खुले मैनहोल के कारण अगर कोई अप्रिय घटना होती है तो इसके लिए बीएमसी जिम्मेदार होगी। मुख्य न्यायाधीश दत्ता ने कहा, ''अच्छा है कि आप (बीएमसी) इस पर काम कर रहे हैं लेकिन अगर इसके कारण कोई घटना होती है तो हम आपको ही जिम्मेदार ठहराएंगे।

हम लोग बीएमसी की सराहना करते हैं लेकिन अगर खुले मैनहोल में कोई गिर जाए तो क्या होगा?''उन्होंने कहा, ''ऐसी स्थिति में हम पीड़ित व्यक्ति को दीवानी मुकदमा (मुआवजे के लिए) शुरू करने के लिए नहीं कहेंगे. हम कहेंगे कि आपके अधिकारी जिम्मेदार हैं।'' पीठ ने सुझाव दिया कि बीएमसी को आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए और कुछ ऐसा तैयार करना चाहिए जिससे मैनहोल का ढक्कन हटते ही संबंधित अधिकारी सतर्क हो जाए।

शून्यकाल के अंतर्गत लोकसभा में गूंजा जनसंख्या नियंत्रण का मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सासंद सत?यदेव पचौरी ने आज लोकसभा में देश में बढ़ रही आबादी पर निशाना साधा, सासंद ने सदन में कहा कि हम सब भली भांति जानते हैं की जनसंख्या वृद्धि के कारण अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बेरोजगारी, पर्यावरण का अवनयन, आवासों की कमी, निम्न जीवन स्तर जैसी समस्याएँ जुड़ी रहती हैं। भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है साथ ही देश में उत्पादित खाद्यान्नों या उपलब्ध संसाधनों के परिप्रेक्ष्य में अधिक तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या आर्थिक वृद्धि दर और सामाजिक संतुलन दोनों को नकारात्मक ढंग से प्रभावित करती है। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2050

तक भारत की कुल आबादी 1.64 बिलियन के आँकड़े को पार कर जाएगी एवं वैश्विक जनसंख्या में 2 बिलियन हो जाएगी । इतनी बड़ी आबादी की आधारभूत आवश्यकताओं साथ ही देश में रोजगार पैदा करना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

बढ़ती आबादी के चलते लोगों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया नहीं हो पा रही है. भारत में दुनिया की कुल कृषि भूमि का 2 फीसदी और पेयजल का चार फीसदी है, जबकि आबादी पूरी दुनिया की 20 फीसदी है. ज्यादा आबादी के चलते लोगों को आहार, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित होना पड़ रहा है. आबादी पर नियंत्रण पाने से लोगों के कल्याण के लिए बनी तमाम सरकारी योजनाओं को लागू करना आसान हो जाएगा. लम्बे समय से देश में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर किसी ठोस कदम के उठाए जाने की मांग की जाती रही है इसलिए मैं भी यह मांग करता हूँ की जनसंख्या नियंत्रण के लिए देश में भली भांति विचार विमर्श करके उपयुक्त कानून लाया जाये जिससे की जनसंख्या वृद्धि पर लगाम लगाने के साथ-साथ देश निरंतर आगे बढ़ने की दिशा में प्रगतिशील रहे।

आंध्र के अस्पताल ने कोविड मरीजों से वसूले गए पैसों को डायवर्ट किया : ईडी

अमरावती (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि एनआरआई एकेडमी ऑफ साइंसेज के कुछ सदस्यों ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कोविड रोगियों और मेडिकल छात्रों से बड़ी मात्रा में धन एकत्र किया और उसका गबन किया. ईडी ने पिछले सप्ताह विजयवाड़ा, काकीनाडा, गुंटूर और हैदराबाद में विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली और नकदी और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए. इसने घोटाले में शामिल विभिन्न व्यक्तियों की संपत्तियों को भी सील कर दिया. एनआरआई एकेडमी ऑफ साइंसेज के कुछ सदस्यों/पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले की चल रही जांच के तहत 2 और 3 दिसंबर को तलाशी अभियान चलाया गया था.

आंध्र प्रदेश पुलिस ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कुछ सदस्यों द्वारा समाज के धन को कथित रूप से डायवर्ट किए जाने की दर्ज प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी. सदस्यों ने कथित रूप से कोविड रोगियों और मेडिकल छात्रों से खातों की लॉगबुक में उल्लिखित आंकड़ों से अधिक धन एकत्र किया और उसका गबन किया. एनआरआई सोसाइटी को देय धनराशि को एनआरआईएएस प्राइवेट लिमिटेड जैसे समान नाम वाली कंपनी बनाकर डायवर्ट किया गया था.

ईडी ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग में संदिग्ध अचल संपत्तियों के 53 दस्तावेजों को जब्त कर लिया गया है और जमा कर दिया गया है. धन के कथित डायवर्जन से जुड़े कई अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए गए हैं. ईडी अधिकारियों की चार टीमों ने पिछले हफ्ते मंगलागिरी में एनआरआई मेडिकल कॉलेज और अस्पताल और एनआरआई एकेडमी ऑफ साइंसेज के कुछ सदस्यों के परिसरों में तलाशी ली थी.

केंद्रीय एजेंसी ने पाया कि 2020-21 में कोविड-19 के मरीजों से अधिक पैसे वसूल कर बड़ी रकम अस्पताल के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं की गई. एससी और एसटी लाभार्थियों के नाम पर भवनों के निर्माण के लिए लिए गए ऋणों को भी एक कंपनी बनाकर कथित रूप से डायवर्ट किया गया था. एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक एनआरआई छात्रों से भारी मात्रा में चंदा इकट्ठा करने के लिए समाज के कुछ सदस्यों को भी जांच का सामना करना पड़ रहा है. प्रबंधन के कुछ सदस्यों ने कोविड रोगियों के इलाज में कदाचार का सहारा लिया और फर्जी रसीदों के माध्यम से करोड़ों रुपये निकालने के बाद अस्पताल सवालों के घेरे में आ गया. 1500 से ज्यादा कोविड मरीजों का रिकॉर्ड नहीं डाला गया और उनसे वसूले गए पैसों को डायवर्ट कर दिया गया. अस्पताल ने कथित तौर पर अस्पताल के रिकॉर्ड में दिखाई गई राशि से अधिक कोविड रोगियों से अतिरिक्त धन एकत्र किया. कोविड रोगियों और एमबीबीएस छात्रों से एकत्र किए गए धन को कथित तौर पर हैदराबाद में एक रियलिटी फर्म में भेज दिया गया था.

नेता प्रतिपक्ष खरगे ने संसद में जताई चिंता, कहा संसद की बैठकों की संख्या कम होना समाज के वंचित वर्गों के हित में नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद में जल्दबाजी में कानून पारित किए जाने और संसद की बैठकों की संख्या कम होने के कारण समाज के वंचित वर्गों की समस्याओं को उठाने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाने पर गहरी चिंता जतायी। साथ ही उन्होंने नये सभापति जगदीप धनखड़ से उम्मीद जतायी कि उनके नेतृत्व में सदन में पर्याप्त बैठकें होंगी। खरगे ने बुधवार को उच्च सदन का पहली बार संचालन करने के लिए सभापति धनखड़ को बधाई देते हुए कहा कि राज्यसभा के संरक्षक के रूप में उनकी भूमिका अन्य भूमिकाओं की तुलना में बहुत बड़ी है। उन्होंने कहा कि वह जिस कुर्सी पर बैठे हैं वहां देश की कई महान हस्तियां बैठ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि उच्च सदन के छह सभापति बाद में राष्ट्रपति भी बने। उन्होंने सभापति धनखड़ को ''भूमिपुत्र'' बताते हुए कहा कि उन्हें विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री एवं राज्यपाल के रूप में विधायी कामकाज का लंबा अनुभव है। उन्होंने कहा कि एक समस्या यह है कि सदन की बैठकें कम होने के कारण जनता के मुद्दों पर चर्चा के लिए उचित समय नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा, ''गरीबों, एसटी, एससी, दबे-कुचलों, किसानों, अत्याचार की शिकार महिलाओं के हालात पर ढंग से बात नहीं रख पाते।'' उन्होंने कहा कि विधेयक भी जल्दबाजी में पारित किये जाते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पहले जहां संसद 100 से अधिक दिन चलती थी वहीं अब यह 60-70 दिन से अधिक नहीं चलती। उन्होंने कहा कि यदि पिछले एक दशक के आंकड़े देखें तो सबसे अधिक 2012 में 74 बैठकें हुई थीं और इसके बाद 2016 में 72 बैठकें हुई थीं। उन्होंने सभापति के समक्ष यह उम्मीद जतायी कि चर्चा के लिए दिन बढ़ाए जाएंगे। खरगे ने कहा कि सभापति कानून के जानकार हैं और वह इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि यदि कानून को जल्दबाजी में पारित किया जाता है तो उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीश कानून की गुणवत्ता पर टीका टिप्पणी करते हैं। उन्होंने कहा, ''यह हमारी संसदीय प्रणाली की सेहत और छवि के लिए ठीक नहीं लगता।'' उन्होंने कहा कि विधेयक पर ढंग से विचार करने के लिए उन्हें विभिन्न संसदीय समितियों के पास विचार के लिए भेजा जाना चाहिए। उन्होंने देश के पहले उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बयान का हवाला देते हुए कहा कि जल्दबाजी में कानून पारित करने से रोकने का काम राज्यसभा करती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्यसभा एवं लोकसभा मिलकर संसद बनती है और कोई अकेला सदन पूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद के दोनों सदनों को अपने नियम एवं प्रक्रिया तय करने का संविधान ने अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि संविधान में राज्यसभा को विचारों का सदन कहा गया है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा ने भारतीय लोकतंत्र में संवाद की परंपरा को मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि उच्च सदन में सभी यह चाहते हैं कि जनता के सवालों पर गंभीर चर्चा हो और समस्याओं का समाधान निकालें। उन्होंने कहा कि जिस तरह संसद दो सदनों से मिलकर बनती है उसकी तरह लोकतंत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष के दो पहियों पर चलता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में 37 केन्द्रों पर होगी मतगणना चुनाव आयोग ने सभी तैयारियां पूरी कीं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव के 8 दिसंबर को नतीजे आएंगे और इसके लिए चुनाव आयोग ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी भारती ने बताया कि 182 सीटों की मतगणना राज्य के 37 मतदान केन्द्रों पर की जाएगी। अहमदाबाद में 3 सूरत में 2 और आणंद में 2 मतगणना केन्द्र होंगे। जबकि प्रत्येक 30 जिलों में एक एक मतदान केन्द्र होगा। सभी केन्द्रों पर मतगणना सुबह 8 बजे एक साथ शुरू होगी। मतगणना प्रक्रिया के लिए 182 काउंटिंग ऑब्जर्वर्स 182 चुनाव अधिकारी और 494 सहायक अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

मतगणना के लिए अतिरिक्त 78 सहायक अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा 71 अतिरिक्त सहायक चुनाव अधिकारियों को इलेक्टोनिकली ट्रान्समिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पी भारती के मुताबिक सभी काउंटिग स्टाफ की नियुक्ति की जा चुकी है।

मतदान केन्द्र के प्रत्येक टेबल पर एक माइक्रो ऑब्जर्वर काउंटिंग सुपरवाइजर और काउंटिंग आसिस्टन्ट नियुक्त किया गया है। इसके अलावा काउंटिंग होल में दो माइक्रो ऑब्जर्वर भी नियुक्त किए गए हैं। सभी मतगणना केन्द्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राज्य के 33 जिलों में 37 मतगणना केन्द्रों पर सुरक्षा समेत सभी जरूरी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मतगणना केन्द्र के बाहर पुलिस का पहरा रहेगा। मतगणना लोकेशन पर एसआरपीएफ और मतगणना केन्द्र के गेट के बाहर सीएपीएफ को कड़ी सुरक्षा होगी।

राज्य के सभी मतगणना केन्द्रों को कम्प्यूटर इंटरनेट टेलीफोन और फैक्स जैसी अत्याधुनिक संचार सुविधा से लैस कर दिया गया है। मोबाइल टेलीफोन आई-पेड या लेपटोप जैसे इलेक्ट्रोनिक उपकरण मतगणना केन्द्र में ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध चुनाव आयोग के ऑब्जर्वर्स रिटर्निंग ऑफीसर आसिस्टन्ट रिटर्निंग ऑफीसर और काउंटिंग सुपरवाइजर्स पर लागू नहीं होगा।
उन्होंने बताया कि मतगणना केन्द्रों में मीडिया सेंटर बनाया गया है। मीडिया सेंटर को छोड़ मतगणना केन्द्र में कहीं भी मोबाइल फोन का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। पी भारती ने बताया कि सुबह 8 बजे सर्वप्रथम पोस्टल बेलेट की काउंटिंग होगी और 8.30 बजे से पोस्टल बेलेट के साथ ही ईवीएम के वोटों की भी गिनती शुरूहोगी।

देश में आज नया इतिहास बना
छोटी पार्टी ने बड़ी पार्टी को हराया : गोपाल इटालिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत , एमसीडी चुनाव में शानदार जीत के बाद आम आदमी पार्टी के हौसले बुलंद हो गए हैं और इसका असर गुजरात में आप कार्यकर्ताओं में दिखा। एमसीडी जीतने के बाद गुजरात प्रदेश आप के नेता और कार्यकर्ताओं ने विजय का जश्न मनाया है। आप के प्रमुख गोपाल इटालिया ने कहा उनकी पार्टी ने केवल एमसीडी नहीं जीती बल्कि एक छोटी पार्टी ने बड़ी पार्टी को हराकर इतिहास रच दिया है। सूरत में गोपाल इटालिया और अल्पेश कथीरिया समेत आप नेता और कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगारे के साथ जीत का जश्न मनाया और मीठाइयां भी बांटी। गोपाल इटालिय ने कहा कि एमसीडी के नतीजों में साबित कर दिया है कि भाजपा को हराना नामुमकीन नहीं है। उन्होंने कहा कि कल गुजरात चुनाव नतीजे भी बता देंगे कि भाजपा को केवल आप ही रोक सकती है। एक्जीट पोल के मुताबिक गुजरात में आप को 20 प्रतिशत वोट मिल रहा है और इससे आप अब राष्ट्रीय पार्टी बन जाएगी।

वराछा में अवैध निर्माण को हटाने के बाद कुमार कनानी ने विध्वंस रोकने के लिए समय मांगा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के वराछा क्षेत्र के सीमाडा नाका स्थित नटवर नगर में निगम की टीम द्वारा तोड़फोड़ शुरू की गई। जब स्थानीय निवासियों ने विध्वंस (डिमोलिशन) का विरोध किया तो कुमार कानानी मौके पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से बात कर निर्देश दिया कि अवैध होने पर पहले नोटिस दें, तत्काल हटाकर परेशान करने की जरूरत नहीं है। कुमार कानानी ने अधिकारियों से समय मांगा और विध्वंस रोक दिया गया।

कुमार कानानी ने डिमोलिशन रुकवाया

नटवरनगर सोसायटी के शुरुआती दौर में कुछ व्यावसायिक और रिहायशी हिस्से अवैध थे।

इसको लेकर निगम की टीम के अधिकारियों द्वारा तोड़ फोड़ का कार्य किया जा रहा था। इसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया। सड़क के पास कुछ व्यावसायिक और आवासीय संपत्तियों को अवरोध के रूप में चर्चा की जा रही है। विध्वंस कार्य को अस्थायी रूप से निलंबित करने के लिए अधिकारियों को स्थानीय लोगों द्वारा बार-बार प्रतिनिधित्व किया गया था। आखिर बात वराछा विधानसभा के विधायक कुमार कनानी तक पहुंची, जिन्होंने खुद वहां पहुंचकर लोगों की बात सुनी।

अधिकारियों से समय देने का अनुरोध किया : कानानी

मुझे स्थानीय लोगों द्वारा अधिकारियों द्वारा किए जा रहे विध्वंस कार्य के बारे में बताया गया था। मैं वहां काम कर रहे अधिकारियों से मिलने वहां पहुंचा। सभी मुद्दों पर दोनों पक्षों को सुनने के बाद अधिकारियों को निर्देश दिया कि लोगों की राय भी ली जाए और इस स्तर पर विध्वंस का काम रोका जाए। उन्हें फिर से नोटिस देने और जहां तक ??संभव हो सामान हटाने के लिए भी समय देने को कहा गया है। यदि मौजूदा संपत्ति बहुत दूर नहीं है, तो ऐसी परिस्थिति में कोई और रास्ता निकालने का निर्देश दिया जाता है।

तोड़फोड़ स्थगित

कुमार कनानी से स्थानीय लोगों ने संपर्क किया है जिन्होंने निगम के अधिकारियों से काम को अस्थायी रूप से निलंबित करने के लिए कहा है। वराछा क्षेत्र में कुमार कनानी की सक्रियता की चर्चा आज भी हो रही थी। कल होने वाले विधानसभा चुनावों की मतगणना के साथ, सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बहुचर्चित वराछा विधानसभा सीटों में कौन जीतेगा और कौन हारेगा। एक तरह से कल कुमार कनानी के विधायक बनने की अटकलों के बीच आज भी उन्होंने अपनी सक्रियता दिखाकर जननेता के रूप में अपनी छवि को नियंत्रित करने की कोशिश की है।

आप प्रत्याशी अल्पेश कथीरिया ने किया जीत का दावा कहा-चाचा जीते तो कंधे पर बिठाऊंगा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,गुजरात चुनाव नतीजे आने में चंद घंटों का समय शेष रह गया है और उससे पहले विभिन्न पार्टियों के उम्मीदवार अपनी अपनी जीत का दावा करने लगे हैं। जीत-हार तो 8 दिसंबर को नतीजे सामने आने के बाद पता चलेगा। उससे पहले सूरत की वराछा सीट से आप प्रत्याशी अल्पेश कथीरिया ने दावा किया है कि उन्हें 1.25 लाख में से 75 हजार वोट मुझे मिले हैं इसलिए मेरी जीत पक्की है। अगर मैं हार गया और चाचा कुमार कानाणी को अपने कंधे पर बिठाऊंगा। कुमार कानाणी पूर्व मंत्री हैं और वराछा सीट से भाजपा उम्मीदवार हैं। अल्पेश कथीरिया ने कहा कि अगर मैं चुनाव जीत जाता हूं तो सबसे पहले मेडिकल कॉलेज बनवाऊंगा और लिखित में लोगों से प्रश्न प्राप्त कर उसका निपटारा करूंगा। बता दें कि मतदान से पहले भी अल्पेश कथीरिया ने एक बयान दिया था। जिसमें उन्होंने भतीजे होने के नाते कुमार कानाणी से कहा था 1 दिसंबर को आपका जन्म दिन है। वराछा की जनता आपको वोट दे ऐसी अपील करता हूं। अगर आप जीत गए तो मानगढ़ चौक में अपने कंधे पर बिठाऊंगा। गौरतलब है सूरत की वराछा सीट पर भाजपा के कुमार कानाणी आप के अल्पेश कथीरिया और कांग्रेस के प्रफुल तोगडिया के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। वराछा सीट पर वर्ष 2012 और 2017 में हुए चुनावों में भाजपा के कुमार कानाणी ने जीत हासिल की थी। इस बार वराछा क्षेत्र में 56.38 प्रतिशत मतदान हुआ है।

वराछा सीट पर नतीजे आने से पहले ही सोशल मीडिया पर ऑफर्स की बरसात शुरू हो गई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत पूरे राज्य का राजनीतिक एपी केंद्र बना हुआ है। सूरत में भी वराछा सीट सबसे ज्यादा चर्चा का केन्द्र बनी रही है। मतगणना गुरूवार को होगी और परिणाम की तस्वीर साफ होगी। लेकिन अल्पेश कथीरिया की जीत को लेकर सोशल मीडिया में आए अलग-अलग ऑफर चर्चा में आ गए हैं। राजनीतिक तौर पर इन बैठकों का नतीजा क्या होगा, इस पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है।

सोशल मीडिया में प्रस्ताव

वराछा सीट सबसे ज्यादा चर्चा में रही है। मतगणना के बाद स्पष्ट हो पाएगा कि कौन जीतेगा और कौन हारेगा। लेकिन इससे पहले सोशल मीडिया कुछ ज्यादा ही एक्टिव नजर आ रहा है। वराछा सीट से बीजेपी प्रत्याशी कुमार कनानी और आम आदमी पार्टी प्रत्याशी अल्पेश कथीरिया के बीच जबरदस्त टक्कर है। सबकी नजर इसी सीट पर है कि आखिर किसे जीत मिलेगे कहना मुश्किल लगता है। अल्पेश कथीरिया के जीतने पर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के ऑफर आ रहे हैं। ऑटोमोबाइल से जुड़े एक शख्स ने कार की फ्री में सर्विस करने की पेशकश की तो किसी ने फ्री में खमन का नाश्ता देने की बात कही है, तो किसी ने फ्री केक देने की बात कही है।

वराछा सीटों में सबसे दिलचस्प मतगणना गुरूवार को की जाएगी। उस समय सबकी निगाहें वराछा सीट पर टिकी हुई हैं। इन मुलाकातों के दौरान सोशल मीडिया काफी सक्रिय रहा। इस मुलाकात ने सोशल मीडिया पर हो रहे ऑफर्स को लेकर एक बार फिर सबका ध्यान खींचा है। चाचा-भतीजे की यह झड़प राजनीतिक रूप से सबसे ज्यादा चर्चा में रही है। इस प्रकार वराछा सीट पर प्रचार प्रसार के कारण आज सूरत शहर में पार्टी की मौजूदगी का सीधा प्रभाव अन्य सीटों पर भी पड़ा।
तावलापन या अधिक आत्मविश्वास, वराछा के आप प्रत्याशी अल्पेश कथीरिया ने की जीत की तैयारी!!
गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे गुरूवार को घोषित होने वाले हैं। फिर सूरत की बारह सीटों में से वराछा रोड सीट पर कड़ा मुकाबला है। तेवा की वराछा सीट से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी अल्पेश कथीरिया ने नतीजे आने से पहले ही जीत का भरोसा जता दिया है और जश्न की तैयारी कर ली है। नतीजे आने से पहले ही अल्पेश कथीरिया सोशल मीडिया के जरिए लगभग पांच किलोमीटर के मार्ग पर धन्यवाद यात्रा रैली निकालने की घोषणा कर चुके हैं।

नतीजे से पहले जीत के जश्न की घोषणा गुजरात विधानसभा चुनाव की मतगणना कल होने वाली है। त्रिकोणीय जंग के साथ इस बार का गुजरात विधानसभा चुनाव काफी रोमांचक और दिलचस्प होता जा रहा है। इस बार रिजल्ट का सभी को बेसब्री से इंतजार है। विभिन्न राजनीतिक दल और उनके उम्मीदवार अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। लेकिन इन सबके बीच सूरत में सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली वराछा सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार अल्पेश कथीरिया ने नतीजे आने से पहले ही जीत की तैयारी शुरू कर दी है। जीत का जश्न मनाने के लिए धन्यवाद यात्रा का भी आयोजन किया गया है।

मोरबी में भाजपा जीते या कांग्रेस विजय का जश्न नहीं मनाएंगे उम्मीदवार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे कल यानी 8 दिसंबर को सामने आ जाएंगे। उससे पहले मोरबी में जीत का जश्न नहीं मनाने का फैसला किया गया है। भाजपा और समेत अन्य पार्टियों के उम्मीदवारों ने जीत के बाद किसी प्रकार का जश्न नहीं मनाने का निर्णय किया है। मोरबी जिले में तीन विधानसभा सीट हैं और जिसमें मालिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में दिवाली के बाद ब्रिज दुर्घटना हुई थी। जिसमें में 140 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इस सदमे से मोरबी उबरा नहीं है ऐसे में कोई अपनी जीत का जश्न मनाता है तो उनके घावों पर नमक छिड़कने के बराबर होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पार्टियों के उम्मीदवारों ने फैसला कर लिया है कि चाहे कोई भी जीते विजय का जश्न नहीं मनाएंगे। मोरबी में भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवार नेता पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने ब्रिज दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए बैंड बाजा और आतिशबाजी नहीं करने की अपील की है। भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवारों ने काफी संयम के साथ चुनाव प्रचार भी किया था।

8 दिसंबर को मोरबी के निकट पोलिटेकनिक कॉलेज में मतगणना होनेवाली है। उससे पहले भाजपा उम्मीदवार कांतिभाई अमृतिया और कांग्रेस प्रत्याशी जयंतीभाई पटेल ने अपने समर्थकों से मोरबी ब्रिज दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए शांतिपूर्ण तरीके से विजय जुलूस निकालने की अपील की है। विजय जुलूस में किसी भी जगह आतिशबाजी या ढोल-नगारा बजाने से भी परहेज करने को कहा गया है।

14 दिसंबर की अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग से चलेगी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

14 दिसंबर को अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 19413 अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस ट्रेन तथा दिनांक 10 और 17 दिसंबर 2022 को कोलकाता से चलने वाली ट्रेन संख्या 19414 कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग से ही चलेगी। पूर्व में अधिसूचित किया गया था कि पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल के गढ़वारोड-तोलरा-रजहरा स्टेशनों के

बीच नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण अहमदाबाद-कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेगी। ट्रेनों के परिचालन समय ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.en-quiry.indianrail.gov.in यात्री पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।